चैत्र शुक्ल - 4 · संवत 2081 · वर्ष - 12 · अंक - 243 · पृष्ठ - 8 · रु. 5/- · चेन्नई » बुधवार » 02-04-2025 · www.dakshinbharat.com · Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 नववर्ष में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की कार्मिकों को सौगात

6 संघ-भाजपा में तालमेल से जुड़े सुखद संकेत

7 भारत अपनी शुल्क दरों में बहुत बड़ी कटौती करेगा : ट्रंप

फर्स्ट टेक

कर्नाटक में डीजल दो रुपए महंगा होगा, सरकार ने बढ़ाया बिक्री कर

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक सरकार ने मंगलवार से डीजल पर बिक्री कर बढ़ाकर 21.17 प्रतिशत कर दिया है। इससे राज्य में डीजल का मूल्य दो रुपए प्रति लीटर बढ़कर 91.02 रुपए हो जाएगा। एक आधिकारिक बयान में बताया गया कि चार नवंबर, 2021 से पहले कर्नाटक में डीजल पर बिक्री कर की दर 24 प्रतिशत थी और प्रति लीटर बिक्री मूल्य 92.03 रुपए था। पिछले साल 15 जून को कर्नाटक सरकार ने डीजल पर कर की दर घटाकर 18.44 प्रतिशत करने की अधिसूचना जारी की। बयान के अनुसार, सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बाद, एक अप्रैल, 2025 से डीजल पर बिक्री कर की दर बढ़ाकर 21.17 प्रतिशत कर दी गई है। इसके परिणामस्वरूप, प्रति लीटर दो रुपए की वृद्धि होगी, जिससे बिक्री मूल्य 91.02 रुपए हो जाएगा। हालांकि, इस वृद्धि के बाद भी राज्य में संशोधित बिक्री मूल्य पड़ोसी राज्यों की तुलना में कम रहेगा।

नगालैंड के एक और जिले में लागू किया गया आफ्स्पा

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने नगालैंड के मेलुरी जिले में छह महीने के लिए सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (आफ्स्पा) मंगलवार को लागू कर दिया है। इससे दो दिन पहले ही, राज्य के आठ जिलों और पांच अन्य जिलों के 21 पुलिस थाना क्षेत्रों तक आफ्स्पा लगाया जा चुका है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी एक अधिसूचना में कहा गया कि नगालैंड सरकार ने नवंबर 2024 में फेक जिले से मेलुरी जिले का निर्माण किया था, लेकिन 30 मार्च को सात अन्य जिलों के साथ इसे भी 'अशांत क्षेत्र' घोषित कर दिया गया था। अधिसूचना में कहा गया, '' एक अप्रैल, 2025 से छह महीने की अवधि के लिए 'अशांत क्षेत्र' घोषित किया जाता है और वापस न लिए जाने तक यह जारी रहेगा।''

आइसलैंड में ज्वालामुखी में विस्फोट शुरू

लंदन/भाषा। दक्षिण-पश्चिम आइसलैंड में ज्वालामुखी में विस्फोट शुरू हो गया है और लावा निकलने लगा है। देश के मौसम विभाग ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। यह घोषणा उस समय की गई जब अधिकारियों ने आज दिन में ही पास के एक कस्बे और ब्लू लैगून स्पा को खाली करा लिया था। राष्ट्रीय प्रसारक आरयूवी ने बताया कि ग्रिंडविक शहर के निकट ज्वालामुखी से लावा बहना शुरू हो गया है, जहां लगभग 40 घरों को खाली कराया गया है। रेक्जेनेस प्रायद्वीप को करीब एक वर्ष पहले बड़े पैमाने पर खाली करा लिया गया था, जब ज्वालामुखी सक्रिय हो गया था।

सूर्यास्त	सूर्योदय
02-04-2025 6:20 बजे	03-04-2025 6:03 बजे

BSE	NSE
76,024.51 (-1,390.41)	23,165.70 (-72.60)

सोना	चांदी
9,244 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	110,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

अस्थाई राज

इतनी भी नाराजी क्यों हैं,
सत्ता तो आनी-जानी।
ऐसी भाषा बोल रहे क्यों,
जैसे हो दुष्मन जानी।
बोलो कब ठहरा है अब तक,
बहती नदिया का पानी।
लोकतंत्र में नहीं चलेगी,
कभी किसी की मनमानी।।

वक्फ संशोधन विधेयक पर लोकसभा में आज होगी चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वक्फ संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए लोकसभा में बुधवार को विचार किया जाएगा, जिससे इसे पारित कराने के लिए दृढ़संकल्पित सरकार और प्रस्तावित कानून को असंवैधानिक बताकर इसकी निंदा करने वाले विपक्ष के बीच टकराव का मंच तैयार हो गया है।

राज्यसभा में इस पर बृहस्पतिवार को चर्चा होने की उम्मीद है। दोनों सदनों में प्रस्तावित कानून पर चर्चा के लिए आठ-आठ घंटे आवंटित किए गए हैं।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बाद चार सबसे बड़े घटकों- तेलुगुदेशम पार्टी (तेदेपा), जनता दल-यूनाइटेड (जदयू), शिवसेना और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास)- ने अपने सांसदों को व्हिप जारी कर सरकार के रुख का समर्थन करने को कहा है।

सूत्रों ने बताया कि भाजपा के कुछ सहयोगी दल विधेयक में और बदलाव की मांग कर रहे हैं। भाजपा के एक सहयोगी दल के वरिष्ठ सदस्य ने उम्मीद जताई कि भाजपा उनके विचारों को ध्यान में रखेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी कुछ चिंताओं का निदान संसद की संयुक्त समिति ने की है और राजग इस मुद्दे पर एकजुट रहेगा।

केंद्रीय अल्पसंख्यक और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने संवाददाताओं से कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में सदन की कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की बैठक में इस विधेयक पर आठ घंटे की चर्चा के लिए सहमति बनी जिसे सदन की भावना के अनुरूप और बढ़ाया जा सकता है।

कांग्रेस ने अपने लोकसभा सदस्यों को व्हिप जारी किया

नई दिल्ली/भाषा। सरकार की ओर से वक्फ संशोधन विधेयक लाए जाने से एक दिन पहले कांग्रेस ने मंगलवार को पार्टी के सभी लोकसभा सदस्यों को व्हिप जारी कर अगले तीन दिनों तक सदन में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस ने तीन पंक्ति का व्हिप तब जारी किया, जब सरकार ने स्पष्ट किया कि विवादास्पद वक्फ (संशोधन) विधेयक बुधवार को चर्चा और पारित कराने के लिए लोकसभा में लाया जाएगा।

बुधवार को लोकसभा में जबरदस्त हंगामा होने के आसार हैं, क्योंकि विपक्षी दल वक्फ विधेयक का पुरजोर विरोध कर रहे हैं।

विकसित भारत के लिए सभी के लिए सुलभ वित्तीय तंत्र की जरूरत : मुर्मु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/एजेन्सी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को कहा कि जैसे-जैसे भारत अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी के समीप पहुंच रहा है, 'विकसित भारत 2047' का मिशन एक ऐसे वित्तीय इकोसिस्टम की मांग करता है जो नवोन्मेषी, अनुकूलनीय और सभी के लिए सुलभ हो।

श्रीमती मुर्मु ने यहां भारतीय रिजर्व बैंक की 90 वर्षगांठ के समापन समारोह को संबोधित करते हुये कहा कि आगे का मार्ग नई जटिलताएं और चुनौतियां पेश करेगा। उन्होंने स्थिरता, नवाचार और समावेशिता के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ रिजर्व बैंक के शक्ति का एक स्तंभ बने रहने का विश्वास जताते हुये कहा कि यह विश्वास को मजबूत करेगा और देश को समृद्धि और वैश्विक नेतृत्व की ओर ले जाएगा। एक मजबूत बैंकिंग प्रणाली सुनिश्चित करने, वित्तीय नवाचार को बढ़ावा देने और हमारे वित्तीय इकोसिस्टम में विश्वास की रक्षा करते हुए मौद्रिक और वित्तीय स्थिरता के संरक्षक के रूप में रिजर्व बैंक विकसित भारत की यात्रा में एक निर्णायक भूमिका निभाएगा।

■ रिजर्व बैंक ने भारत को डिजिटल भुगतान में अग्रणी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि रिजर्व बैंक ने भारत को डिजिटल भुगतान में अग्रणी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। देश के भुगतान ढांचे को लगातार आधुनिक बनाकर, इसने यह सुनिश्चित किया है कि डिजिटल लेनदेन न केवल सहज और कुशल हों, बल्कि सुरक्षित भी हों। यूपीआई जैसे नवाचारों से वित्तीय क्षेत्र तक पहुंच में आयी क्रांति से तत्काल, कम लागत वाले लेनदेन संभव हुए हैं और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिला है। भुगतान के अलावा, भारतीय रिजर्व बैंक ने एक जीवंत फिन-टेक इकोसिस्टम विकसित किया है। उन्होंने कहा कि आमजन का उनकी जेब में रखे नोटों पर छपे भारतीय रिजर्व बैंक के नाम के अलावा कोई सीधा संपर्क नही होता है, लेकिन अप्रत्यक्ष रूप से बैंकों और अन्य माध्यमों से उनके सभी वित्तीय लेन-देन भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा ही नियंत्रित होते हैं और वे सहज रूप से इसके द्वारा संचालित वित्तीय प्रणाली में अपना पूर्ण विश्वास रखते हैं।

बीएसएनएल ने रिलायंस जियो से नहीं की वसूली

सरकार को हुआ 1,757 करोड़ रुपए का नुकसान : कैग

नई दिल्ली/भाषा। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने मंगलवार को कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल ने टावर जैसे बुनियादी ढांचे को साझा करने पर अपने समझौते के अनुसार मई, 2014 से रिलायंस जियो से 10 साल कोई वसूली नहीं की, जिससे सरकार को 1,757.56 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। कैग ने बयान में कहा कि भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) को 38.36 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ, क्योंकि वह दूरसंचार बुनियादी ढांचा प्रदाताओं (टीआईपी) को दिए जाने वाले राजस्व हिस्से से लाइसेंस शुल्क का हिस्सा काटने में विफल रही। कैग ने कहा, बीएसएनएल मेसर्स रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड (आरजेआईएल) के साथ मास्टर सर्विस एग्रीमेंट (एमएसए) को लागू करने में विफल रही और बीएसएनएल के साझा टावर जैसे बुनियादी ढांचे पर इस्तेमाल की गई अतिरिक्त प्रौद्योगिकी के लिए बिल नहीं दिया, जिसके परिणामस्वरूप मई, 2014 से मार्च, 2024 के बीच सरकारी खजाने को 1,757.76 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ और उस पर दंडात्मक ब्याज भी देना पड़ा। कैग ने यह भी पाया कि बीएसएनएल द्वारा अवसंरचना साझाकरण शुल्क का कम बिल बनाया गया था।

मोदी सरकार आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा करने में विफल रही : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा करने में विफल रही है। उन्होंने सरकार से उच्चतम न्यायालय में वन अधिकार अधिनियम का बचाव करने के लिए तेजी से कदम उठाने का आग्रह किया।

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि मोदी सरकार वन अधिकार अधिनियम (एफआरए) की अवहेलना कर रही है, जिसके कारण लाखों आदिवासी परिवार अपनी पारंपरिक जमीन से बेदखल होने का सामना कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने ऐतिहासिक अन्याय को ठीक करने तथा आदिवासियों को उनके ''जल, जंगल और जमीन'' पर अधिकार सुनिश्चित करने के लिए 2006 में यह कानून पेश किया था।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''हालांकि, केंद्र सरकार की निष्क्रियता के कारण एफआरए के तहत अनगिनत वास्तविक दावों को बिना किसी समीक्षा के मनमाने ढंग से खारिज कर दिया गया है।'' उन्होंने कहा, ''2019 में, उच्चतम न्यायालय ने उन सभी लोगों को बेदखल करने का आदेश दिया जिनके दावे खारिज कर दिए गए थे, इस कदम से पूरे देश में व्यापक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे। जवाब में, अदालत ने बेदखली की प्रक्रिया रोक दी और खारिज किए गए दावों की गहन समीक्षा करने का आदेश दिया।''

गांधी ने आरोप लगाया कि यह मामला दो अप्रैल को फिर से उच्चतम न्यायालय में आया और एक बार फिर मोदी सरकार इस मुद्दे पर सक्रियता दिखाने में नाकाम रही।

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, ''सरकार 2019 में कानून का बचाव करने में विफल रही और आज भी आदिवासी अधिकारों के लिए खड़े होने का कोई इरादा नहीं दिखाती है। इससे भी बुरी बात यह है कि लाखों लंबित और खारिज किए गए दावों की समीक्षा या पुनर्विचार करने का कोई गंभीर प्रयास नहीं किया गया है।''

मलेशिया में गैस पाइप फटने से लगी भीषण आग में 145 लोग झुलसे

कुआलालंपुर/एपी। मलेशिया में कुआलालंपुर के बाहरी इलाके में गैस पाइपलाइन फटने से मंगलवार को लगी भीषण आग में 145 लोग झुलस गए। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

राष्ट्रीय तेल कंपनी 'पेट्रोनास' ने एक बयान में कहा कि कुआलालंपुर के बाहर उसकी एक गैस पाइपलाइन फटने के बाद भीषण आग लग गई। आग की लपटें 20 मंजिला इमारत के जितनी ऊंची थी तथा आवासीय क्षेत्र के पास खाली पड़े क्षेत्र में एक बड़ा गड्ढा बन गया। मलेशिया के अंग्रेजी अखबार 'न्यू स्ट्रेट्स टाइम्स डेली' में जारी खबर में स्वास्थ्य मंत्री जुल्कफ्ली अहमद के हवाले से बताया कि इस हादसे में तीन बच्चों सहित 145 लोग झुलस गए हैं।

भारत, चिली ने लिया रक्षा उत्पादन, खनन, कृषि जैसे कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का निर्णय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। भारत और लैटिन अमेरिकी देश चिली ने समग्र आर्थिक साझीदारी समझौते (सीपा) के लिए बातचीत शुरू करने तथा रक्षा उत्पादन, खनन, कृषि, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे, नवीकरणीय ऊर्जा, रेलवे, अंतरिक्ष आदि क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का निर्णय लिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चिली के राष्ट्रपति ग्रेबियल बोरिच फॉन्ट के साथ यहां हैदराबाद हाउस में हुई द्विपक्षीय बैठक में ये फैसले किये। इस मौके पर दोनों पक्षों के बीच चार दस्तावेजों पर हस्ताक्षर के बाद आदान-प्रदान किया गया। इनमें अंटार्कटिका सहयोग पर आशय पत्र, भारत-चिली सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम, आपदा प्रबंधन पर चिली के राष्ट्रीय आपदा रोकथाम और प्रतिक्रिया सेवा और भारत के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के बीच समझौता ज्ञापन तथा बहुमूल्य खनिजों के खनन के क्षेत्र में कोडेल्को और हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) के बीच समझौता ज्ञापन शामिल है।

बैठक के बाद प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने प्रेस वक्तव्य में कहा है कि राष्ट्रपति बोरिच के भारत के लिए जो मित्रता का भाव, और संबंधों को मजबूत करने के लिए उनकी प्रतिबद्धता है, वह अद्भुत है। इसके लिए वह उनका विशेष अभिनन्दन करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत के लिए चिली लैटिन अमेरिका में एक महत्वपूर्ण मित्र और साझीदार देश है। आज की चर्चाओं में हमने आने वाले दशक में सहयोग बढ़ाने के लिए कई नई पहलों की पहचान की। आपसी व्यापार और निवेश में वृद्धि का हम स्वागत करते हैं। हम सहमत हैं, कि इसमें और अधिक सहयोग की अपार क्षमता भी है। आज हमने एक पारस्परिक लाभकारी समग्र आर्थिक साझीदारी समझौते पर चर्चा शुरू करने के लिए अपनी टीमों को निर्देश दिए हैं।

मोदी ने कहा कि बहुमूल्य खनिजों के क्षेत्र में साझीदारी को बल दिया जाएगा।

हिमंत ने यूनुस की आलोचना की,

'चिकन नेक' की जगह वैकल्पिक मार्ग खोजे जाने का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ मोहम्मद यूनुस के ऐसे भड़काऊ बयानों को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए, क्योंकि ये (बयान) गहन रणनीतिक विचारों और दीर्घकालिक एजेंडे को दर्शाते हैं।

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के बयान को ''आक्रामक एवं अत्यधिक निंदनीय'' बताते हुए, 'चिकन नेक' को दरकिनार कर पूर्वोत्तर को शेष भारत से जोड़ने के लिए वैकल्पिक मार्गों की खोज को प्राथमिकता दिए जाने का मंगलवार को आह्वान किया।

बांग्लादेश को क्षेत्र में ''महासागर का एकमात्र संरक्षक'' बताते हुए यूनुस ने चीन से बांग्लादेश में अपना आर्थिक प्रभाव बढ़ाने की अपील की थी और उल्लेख किया था कि भारत के पूर्वोत्तर राज्यों का चारों ओर से जमीन से घिरा होना इस संबंध में एक अवसर साबित हो सकता है।

यूनुस ने हाल की अपनी चार दिवसीय चीन यात्रा के दौरान यह टिप्पणी की थी और इसका वीडियो सोमवार को सोशल मीडिया पर सामने आया।

शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''बांग्लादेश की तथाकथित अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस द्वारा दिया गया वह बयान अपमानजनक एवं घोर निंदनीय है, जिसमें उन्होंने पूर्वोत्तर भारत के सात राज्यों को जमीन से घिरा बताया और बांग्लादेश को उनकी समुद्री पहुंच का संरक्षक बताया।'' उन्होंने कहा, ''मोहम्मद यूनुस के ऐसे भड़काऊ बयानों को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए, क्योंकि ये (बयान) गहन रणनीतिक विचारों और दीर्घकालिक एजेंडे को दर्शाते हैं।''

एनएचएआई ने टोल चार से पांच प्रतिशत बढ़ाया

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर मंगलवार से यात्रा करना महंगा हो गया है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने देशभर के राजमार्ग खंडों पर टोल शुल्क में औसतन चार से पांच प्रतिशत की वृद्धि की है। राजमार्ग मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा कि देश भर के राष्ट्रीय राजमार्गों पर वाहन चालकों के लिए संशोधित टोल शुल्क मंगलवार से लागू हो गए हैं। एनएचएआई ने सभी राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे के लिए टोल दरों में बढ़ोतरी को अलग से अधिसूचित किया है। अधिकारी के अनुसार, टोल शुल्क को संशोधित करना वार्षिक कवायद का हिस्सा है। यह थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति में बदलाव से जुड़ा है। हर साल इसे एक अप्रैल से लागू किया जाता है। राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क पर लगभग 855 उपयोगकर्ता शुल्क प्लाजा हैं, जिन पर राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क (दरों और संग्रह का निर्धारण) नियम, 2008 के अनुसार शुल्क लगाया जाता है। इनमें से लगभग 675 सार्वजनिक वित्तपोषित शुल्क प्लाजा हैं और 180 राजमार्ग विकसित करने वाली कंपनियों द्वारा संचालित टोल प्लाजा हैं।

गुजरात में पटाखा फैक्ट्री में लगी भीषण आग, 17 की मौत

पालनपुर/एजेन्सी। गुजरात में बनासकांठा जिले के डीसा रूरल क्षेत्र में मंगलवार को एक पटाखा फैक्ट्री में अचानक लगी भीषण आग में 17 लोगों की मौत हो गयी।

पुलिस ने बताया कि डीसा जीआईडीसी के निकट एक पटाखा फैक्ट्री में किसी कारण से आज सुबह अचानक भीषण आग लग गयी। इस दौरान झुलसने से 17 लोगों की मौत हो गयी। मृतकों की पहचान अभी नहीं हो पायी है। इस बीच अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि आज सुबह पटाखा फैक्ट्री में आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल की छह गाड़ियों के साथ दमकल कर्मी मौके पर पहुंच गए। दमकल कर्मियों ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया है। आग लगने के कारण का पता लगाया जा रहा है। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

अमित शाह के दौरे का कठुआ में आतंकवाद रोधी अभियान से कोई संबंध नहीं : मुख्यमंत्री अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के जम्मू-कश्मीर दौरे का कठुआ में आतंकवाद रोधी अभियान से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि उनके कार्यक्रम को अभियान चलाए जाने से पहले ही अंतिम रूप दे दिया गया था।

शेर-ए-कश्मीर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र (एसकेआईसीसी) में महिलाओं के लिए मुफ्त बस सेवा शुरू करने के बाद मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा, ''कठुआ (अभियान) से केंद्रीय गृह मंत्री के दौरे को न जोड़ें। कठुआ मुठभेड़ से पहले ही उनका कार्यक्रम तय हो गया था। यह संयोग है कि उनका दौरा कठुआ में अभियान के समय हो रहा है।'' सूत्रों ने सोमवार को बताया था कि शाह केंद्र शासित प्रदेश में सुरक्षा स्थिति और आतंकवाद निरोधक अभियानों की समीक्षा के लिए सात-आठ अप्रैल को जम्मू-कश्मीर का दौरा कर सकते हैं। अब्दुल्ला ने कहा कि गृह मंत्री का दौरा केवल सुरक्षा एजेंडा नहीं है। उन्होंने कहा, ''सुरक्षा (स्थिति) की समीक्षा की जाएगी, लेकिन उन्होंने (शाह) जम्मू में एक सार्वजनिक बैठक की भी योजना बनाई है... फिर, श्रीनगर में वह (शाह) विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे और कुछ परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे।''

सुरक्षा बलों के साथ सोमवार देर रात एक संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद भाग निकले तीन आतंकवादियों को पकड़ने के लिए जम्मू के कठुआ जिले में खोजबीन अभियान जारी है। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी), सेना और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का संयुक्त अभियान मंगलवार को 10वें दिन भी जारी रहा। इससे पहले 27 मार्च को जिले के सानियाल इलाके में मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए थे, जिसमें चार पुलिसकर्मी भी शहीद हो गए थे।

माना जा रहा है कि आतंकवादी उस समूह से जुड़े हैं जिसका 23 मार्च को अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास नसीरी इलाके में सुरक्षा बलों के साथ पहली बार आमना-सामना हुआ था और सभी आतंकवादी भागने में सफल रहे थे। हालांकि, चार दिन बाद सुरक्षा बलों ने सानियाल बेल्ट के एक जंगली क्षेत्र में मुठभेड़ के बाद दो आतंकवादियों को मार गिराया, लेकिन बाकी भागने में सफल रहे।

इस गोलीबारी के दौरान चार पुलिसकर्मी भी मारे गए और तीन घायल हो गए। जंगल में आतंकवादियों के अपने ठिकाने बदलने के बाद सुरक्षा बलों ने उन्हें पकड़ने के लिए कई एजेंसी की मदद से अभियान शुरू किया है। इस बीच अब्दुल्ला से पूछा गया कि क्या शाह का दौरा केंद्र शासित प्रदेश की सरकार और केंद्र के बीच बेहतर संबंधों का संकेत है। इसके जवाब में अब्दुल्ला ने कहा, '' यह (शाह) पहले भी यहां आ चुके हैं और आते रहेंगे। जब मैं (तत्कालीन) राज्य का मुख्यमंत्री था, तब भी गृह मंत्री यहां आते थे। पी चिदंबरम और (सुशील कुमार) शिंदे भी आए थे, इसलिए यह कोई बड़ी बात नहीं है।''

दो हजार रुपये के 98.21 प्रतिशत नोट लौटे: रिजर्व बैंक

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मंगलवार को कहा कि 2000 रुपये के 98.21 प्रतिशत नोट बैंकिंग प्रणाली में वापस आ गए हैं और केवल 6,366 करोड़ रुपये मूल्य के ऐसे नोट अब भी जनता के पास हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने 19 मई, 2023 को 2000 रुपये मूल्य के बैंक नोटों को प्रचलन से वापस लेने की घोषणा की थी।

आरबीआई ने कहा कि प्रचलन में 2000 रुपये के बैंक नोटों का कुल मूल्य 19 मई, 2023 को कारोबार बंद होने पर 3.56 लाख करोड़ रुपये था। अब 31 मार्च, 2025 को कारोबार बंद होने पर इनका कुल मूल्य घटकर 6,366 करोड़ रुपये रह जाएगा। आरबीआई ने बयान में कहा, इस प्रकार, 19 मई, 2023 तक प्रचलन में रहे 2000 रुपये के बैंक नोटों में से 98.21 प्रतिशत वापस आ चुके हैं। दो हजार रुपये के बैंक नोट जमा करने और/या बदलने की सुविधा सात अक्टूबर, 2023 तक सभी बैंक शाखाओं में उपलब्ध थी। हालांकि, यह सुविधा अब भी रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों में उपलब्ध है। नौ अक्टूबर, 2023 से आरबीआई के निर्गम कार्यालय भी व्यक्तियों और संस्थाओं से उनके बैंक खातों में जमा करने के लिए 2000 रुपये के बैंक नोट स्वीकार कर रहे हैं।

हैदराबाद विश्वविद्यालय विवाद : छात्रों ने तेलंगाना सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद विश्वविद्यालय के छात्रों ने संस्थान से सटी 400 एकड़ जमीन पर विकास कार्य करने की तेलंगाना सरकार की योजना के खिलाफ मंगलवार को प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी छात्र विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर एकत्र हुए और राज्य की मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी नीत कांग्रेस सरकार के खिलाफ नारे लगाए।

हैदराबाद विश्वविद्यालय छात्र संघ (यूओएचएसयू) और उससे संबद्ध अन्य संघों के अलावा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने भी विश्वविद्यालय परिसर में अलग-अलग विरोध-प्रदर्शन किया। यूओएचएसयू के उपाध्यक्ष आकाश ने मांग की कि पुलिस और जंगल में पेड़ों को गिरा रही 50 से अधिक जेसीबी मशीनों को विश्वविद्यालय परिसर से तुरंत हटा दिया जाना चाहिए।

यूओएचएसयू ने विश्वविद्यालय परिसर से पुलिसकर्मियों और जेसीबी मशीनों को हटाने की मांग करते हुए मंगलवार से अनिश्चितकालीन विरोध-प्रदर्शन और कक्षाओं के बहिष्कार का ऐलान किया। आकाश ने बताया कि छात्रों और शिक्षकों से परिसर में विरोध-प्रदर्शन में शामिल होने और कक्षाओं का बहिष्कार करने का आग्रह किया गया है। यूओएचएसयू और उससे जुड़े अन्य छात्र संघों ने एक संयुक्त बयान में विश्वविद्यालय प्रशासन पर आरोप लगाया कि उसने कांचा गचीबोवली में संस्थान से सटी 400 एकड़ जमीन पर राज्य सरकार की परियोजनाओं के लिए भूमि समाशोधन गतिविधियों की अनुमति देकर छात्रों के साथ विश्वासघात किया है।

वित्त मंत्री ने पूंजीगत व्यय में कटौती की बात से इनकार किया

नई दिल्ली/भाषा। पूंजीगत व्यय में कटौती किए जाने के विपक्ष के दावे को खारिज करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को राज्यसभा में कहा कि इसमें कोई कमी नहीं की गई है, बल्कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए यह बढ़कर 11.21 लाख करोड़ रुपये हो गया है। वित्त मंत्री सीतारमण राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक सवालों का जवाब दे रही थीं। उन्होंने कहा कि 2024-25 में पूंजीगत व्यय 11.11 लाख करोड़ रुपये था। वित्त मंत्री ने कहा, ''वास्तव में, इस वर्ष बजट में...यह बढ़कर 11.21 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इसलिए, पूंजीगत व्यय में कोई कटौती नहीं की गई है।'' पूंजीगत व्यय के लिए 50-वर्षीय ब्याज मुक्त विशेष सहायता योजना के तहत राज्यों को दिए जाने वाले ऋण में भी आनुपातिक वृद्धि हुई है।

सीतारमण कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम के एक सवाल का जवाब दे रही थीं। चिदंबरम ने सवाल किया था कि वित्त वर्ष 2025 के लिए संशोधित बजट अनुमान में पूंजीगत व्यय को 11.11 लाख करोड़ रुपये से घटाकर 10,18,429 करोड़ रुपये कर दिया गया। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि पूंजीगत व्यय के लिए राज्यों को ब्याज मुक्त 50-वर्षीय विशेष सहायता की योजना 2020-21 में शुरू होने के बाद से राज्यों को जारी ऋण में वृद्धि हुई है। 2020-21 के लिए राज्यों को 9,912 करोड़ रुपये की विशेष सहायता मंजूर की गई थी, लेकिन वास्तविक आवंटन 11,830 करोड़ रुपये था। 2024-25 में 1,53,673 करोड़ रुपये मंजूर किए गए और 26 मार्च तक राज्यों को 1,46,362 करोड़ रुपये जारी किए गए। यह पूछे जाने पर कि क्या केंद्र निगरानी करता है कि राज्य धन का उपयोग पूंजीगत व्यय के लिए या किसी अन्य मद में कर रहे हैं, वित्त मंत्री ने कहा, ''जब पैसा भेजा जाता है, तो तुरंत पता नहीं चलता कि इसका उपयोग पूंजीगत व्यय के लिए किया जाएगा या नहीं।''

अब डिजिलॉकर के जरिये डीमैट, म्यूचुअल फंड का विवरण ले सकेंगे उपयोगकर्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। निवेशक दस्तावेज संग्रह के डिजिटल मंच 'डिजिलॉकर' के जरिये अब अपने डीमैट खाते का विवरण और म्यूचुअल फंड से संबंधित जानकारी को स्टोर करने के साथ उसे देख सकते हैं। यह व्यवस्था एक अप्रैल से लागू हो गई है।

इस पहल से भारतीय प्रतिभूति बाजार में बिना दावे वाली संपत्तियों में कमी आएगी और निवेशकों के हितों को सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी।

डिजिलॉकर सरकार की एक अहम डिजिटल सेवा है, जो नागरिकों को डिजिटल रूप में दस्तावेजों को सुरक्षित रूप से संग्रहीत करने और साझा करने की सुविधा देती है।

सरकार ने डिजिलॉकर पर उपलब्ध सेवाओं का विस्तार कर दिया है, जिसमें पहले से ही बैंक खाता विवरण, बीमा पॉलिसी प्रमाणपत्र और एनपीएस खाता विवरण शामिल हैं।

डिजिलॉकर उपयोगकर्ता अब अपने डीमैट खातों के साथ अपने समेकित खाता विवरण (सीएएस) के जरिये शेयरों और म्यूचुअल फंड इकाइयों का विवरण प्राप्त और संग्रहीत कर सकते हैं।

इसके अलावा, उपयोगकर्ता अपने डिजिलॉकर खातों में नॉमित व्यक्ति को भी जोड़ सकते हैं। इससे उपयोगकर्ता के निधन के बाद उपयोगकर्ता के दस्तावेजों तक पहुंच मिल सकेगी। इससे परिवार के सदस्यों या कानूनी उत्तराधिकारियों को मृतक की वित्तीय संपत्तियों का अधिक आसानी से प्रबंधन करने में मदद मिलती है।

इसके अलावा, डिजिलॉकर प्रणाली मृत्यु प्रमाण पत्र या केवाईसी पंजीकरण एजेंसियों (केआरए) से मिले विवरण से प्राप्त सूचना का उपयोग करके किसी उपयोगकर्ता की मृत्यु पर उसके खाते की स्थिति को भी अद्यतन कर सकती है।

उपयोगकर्ता की मृत्यु के बाद डिजिलॉकर स्वचालित रूप से नामित व्यक्तियों को एसएमएस और ईमेल के माध्यम से सूचित करता है, जिससे उन्हें मृतक की संपत्ति का प्रबंधन करने में मदद मिलती है।

परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियां (एएमसी), आरटीए और डिपॉजिटरी संस्थान डिजिलॉकर के साथ पंजीकरण करेंगी ताकि निवेशक अपने म्यूचुअल फंड एवं डीमैट खाते का विवरण प्राप्त कर सकें।

इस तरह से बाजार नियामक सेबी निष्क्रिय खातों, संपर्क या बैंक विवरण की कमी जैसे मुद्दों पर ध्यान देकर प्रतिभूति बाजार में बिना दावे वाली संपत्तियों को कम करना चाहता है।

नये विधेयक से विमान पट्टा उद्योग को मिलेगी मजबूती : नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने मंगलवार को कहा कि विमान संपत्तियों में हित संरक्षण विधेयक, 2025 से भारतीय विमान पट्टा उद्योग को मजबूती मिलेगी और देश का बैंक परिवेश सुदृढ़ होगा। इसका कारण इससे पट्टे के नियमों में विसंगतियां दूर होंगी।

नायडू ने राज्यसभा में विधेयक पारित होने के तुरंत बाद यह भी कहा कि विमान पट्टा उद्योग को बढ़ावा देना और मजबूती प्रदान करना समय की मांग है। प्रस्तावित कानून का मकसद केप टाउन समझौते के लिए कानूनी समर्थन प्रदान करना है जो मुख्य रूप से विमानों के पट्टे से संबंधित है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा है कि लंबे समय से, पट्टे के नियमों में विसंगतियों ने भारत में विमानों को पट्टे पर देना मुश्किल बना दिया है। उन्होंने कहा, ''यह विधेयक भारतीय पट्टा उद्योग को बढ़ावा देगा, घरेलू पट्टेदारों को प्रोत्साहित करेगा और हमारे बैंकिंग परिवेश को मजबूत करेगा। कुल मिलाकर यह एक अधिक सुलभ और आरामदायक विमानन परिदृश्य सुनिश्चित करेगा। पट्टा उद्योग को बढ़ावा देना समय की मांग है...।'' भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागर विमानन बाजारों में से एक है और घरेलू विमानन कंपनियों ने 1,200 से अधिक विमानों के लिए ऑर्डर दिये हैं। केप टाउन समझौते के तहत, पट्टेदार एयरलाइन कंपनियों को पट्टे पर दिए गए विमानों को वापस ले सकते हैं। उल्लेखनीय है कि जब गो फर्स्ट दिवाला समाधान प्रक्रिया से गुजर रही थी, तो उस पर रोक लगा दी गई थी और पट्टेदार एयरलाइन को पट्टे पर दिए गए अपने विमान वापस नहीं ले पा रहे थे। बाद में, एक अस्थायी व्यवस्था लागू की गई, जिससे संबंधित पट्टेदारों को गो फर्स्ट से अपने पट्टे पर लिए गए विमान वापस लेने की अनुमति मिल गई। भारत 'केप टाउन समझौते' का एक हस्ताक्षरकर्ता देश है, लेकिन उसने अभी तक संधि की पुष्टि नहीं की है। एक बार जब संसद द्वारा विधेयक को मंजूरी दे दी जाती है और कानून बन जाता है, तो संधि को भारत में कानूनी समर्थन मिल जाएगा।

लोकसभा में तटीय पोत परिवहन विधेयक: विपक्ष का निजी कंपनियों को लाभ पहुंचाने का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में मंगलवार को तटीय पोत परिवहन विधेयक पर चर्चा हुई, जिसमें विपक्ष के सदस्यों ने सरकार पर निजी कंपनियों को लाभ पहुंचाने का आरोप लगाया, वहीं सत्तापक्ष के सदस्यों ने कहा कि इससे समुद्री क्षेत्र में स्वदेशी लोगों के लिए अवसर बढ़ेंगे।

केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने विधेयक को चर्चा और पारित कराने के लिए सदन में रखते हुए कहा कि यह विधेयक राष्ट्रीय सुरक्षा और व्यावसायिक जरूरतों को लेकर भारतीय नागरिकों के स्वामित्व वाले और उनके द्वारा संचालित भारत के ध्वज लगे जहाजों की तटीय व्यापार में सहभागिता को प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने कहा कि मसौदा कानून में तटीय पोत परिवहन के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के प्रावधान हैं, जो जलक्षेत्र में देश की सामरिक सैन्य योजनाओं की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

सोनोवाल ने कहा कि चूंकि लॉजिस्टिक्स क्षेत्र कम लागत वाले, विश्वसनीय और टिकाऊ विकल्प तलाश रहा है, इसलिए यह कानून तटीय नौवहन के लिए समर्पित कानूनी ढांचे के माध्यम से समुद्री उद्योग को बहुत जरूरी बढ़ावा देगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह विधेयक राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति के अनुरूप है और तटीय नौवहन को परिवहन के एक लागत प्रभावी तरीके के रूप में बढ़ावा देता है, जो समग्र लॉजिस्टिक्स लागत को काफी कम कर सकता है। उन्होंने कहा, तटीय नौवहन भी परिवहन का एक टिकाऊ तरीका है, जिसमें रेल और सड़क नेटवर्क की तुलना में बहुत कम उत्सर्जन होता है। भारतीय परिवहन में इसकी हिस्सेदारी बढ़ाने से लॉजिस्टिक्स संचालन के कारण होने वाले प्रदूषण में कमी आएगी। विधेयक पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कांग्रेस के माणिकम टैगोर ने कहा कि इस विधेयक के कानून का रूप लेने के बाद संबंधित महानिदेशक का अधिकार बढ़ जाएगा और निजी कंपनियों का प्रभाव बढ़ेगा। उन्होंने मछुआरों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि तमिलनाडु के 843 मछुआरे हाल के वर्षों में श्रीलंकाई नौसैनिकों की गोलियों के शिकार हुए हैं या वहां की जेलों में बंद हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात के तटीय क्षेत्र पर पाकिस्तान के खतरे की आशंका है या ओडिशा में चक्रवात अथवा आंध्र प्रदेश में प्रदूषण के कारण 70 हजार प्रभावित परिवार, मछुआरों को विभिन्न प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। टैगोर ने दावा किया कि केरल में एक निजी समूह की पोत परियोजना के कारण हजारों मछुआरे बेघर हो गए हैं और उनकी आजीविका छिन गयी है। उन्होंने कहा कि सरकार को समाधान निकालना चाहिए। उन्होंने प्रस्तावित कानून के अंतर्गत मौसम संबंधी चेतावनी, प्रत्येक मछुआरे के लिए जीवन रक्षक जैकेट तथा उनकी नौकाओं के लिए प्रमाणन को शामिल करने की मांग की, साथ ही तटीय नौवहन पर 30 प्रतिशत कर को हटाने की भी मांग की।

चर्चा में भाग लेते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्य अरुण गोविल ने कहा कि इस विधेयक का उद्देश्य स्वदेशी पोत परिवहन कंपनियों को अत्यधिक अवसर प्रदान करना है।

भारत का रक्षा निर्यात 2024-25 में 12 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 23,622 करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि भारत का रक्षा निर्यात वित्त वर्ष 2024-25 में 23,622 करोड़ रुपये (लगभग 2.76 अरब डॉलर) के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच गया है, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 12.04 प्रतिशत अधिक है। सिंह ने यह भी कहा कि देश 2029 तक रक्षा निर्यात 50,000 करोड़ रुपये करने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए तैयार है। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का रक्षा निर्यात 21,083 करोड़ रुपये रहा था।

रक्षा मंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, ''भारत का रक्षा निर्यात वित्त वर्ष 2024-25 में 23,622 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच गया है।'' उन्होंने कहा, ''वित्त वर्ष 2023-24 के रक्षा निर्यात के आंकड़ों की तुलना में अभी समाप्त हुए वित्त वर्ष में 2,539 करोड़ रुपये या 12.04 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 2023-24 में रक्षा निर्यात 21,083 करोड़ रुपये रहा था।''

भाजपा अपनी विफलताओं से ध्यान भटकाने के लिए जगहों का नाम बदल रही है : हरीश रावत

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड में एक दर्जन से अधिक स्थानों का नाम बदलने के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के फैसले का मजाक उड़ाते हुए कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि प्रदेश सरकार अपनी विफलताओं से लोगों का ध्यान हटाने के लिए यह नाटक कर रही है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि मुख्यमंत्री अपना तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा कर चुके हैं जबकि भाजपा आठ वर्ष से अधिक समय से सत्ता में है लेकिन उनके पास बताने के लिए आठ उपलब्धियां भी नहीं हैं। रावत ने कहा, यह अवधि विफलताओं से भरी हुई है। स्थानों के नाम बदलना अब भाजपा का एकमात्र एजेंडा बन गया है। यह सरकार की विफलताओं से लोगों का ध्यान हटाने के लिए किया गया नाटक है। वहीं दूसरी ओर भारती जनता पार्टी (भाजपा) ने इस निर्णय को ऐतिहासिक करार देते हुए कहा कि इससे न केवल लोगों को भारतीय संस्कृति और उसे संरक्षित करने में अपना योगदान देने वाले महापुरुषों से प्रेरणा लेने में मदद मिलेगी बल्कि वे विदेशी आक्रांताओं द्वारा किए गए अत्याचारों से भी अवगत होंगे।

39 किलोग्राम वजनी लड़की के अंडाशय से निकाली गई आठ किलोग्राम की गांठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। इंदौर में चिकित्सकों ने जटिल सर्जरी के जरिये 15 वर्षीय लड़की के अंडाशय से लगभग आठ किलोग्राम वजनी गांठ निकालकर उसे नया जीवन दिया है। शहर के एक सरकारी अस्पताल के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

शासकीय महाराजा तुकोजीराव चिकित्सालय (एमटीएच) की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सुमित्रा यादव ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि 15 वर्षीय लड़की सांस लेने में परेशानी, पेट दर्द और अन्य दिक्कतों की शिकायत कर रही थी और जांच के दौरान उसके अंडाशय में गांठ का पता चला।

उन्होंने बताया, ''सर्जरी के दौरान हम अंडाशय की भारी-भरकम गांठ देखकर हैरान रह गए। गांठ को बाहर निकालकर तौले जाने पर इसका वजन लगभग आठ किलोग्राम निकला।''

यादव ने बताया कि तीन घंटे चली जटिल सर्जरी से पहले लड़की का वजन 39 किलोग्राम था जिसमें करीब आठ किलोग्राम की गांठ का भार शामिल है। उन्होंने बताया, ''सर्जरी के बाद लड़की की हालत एकदम ठीक है। अगर भारी-भरकम गांठ नहीं निकाली जाती, तो मरीज की जान को खतरा हो सकता था।''

यादव ने बताया कि लड़की के अंडाशय से निकाली गई गांठ के नमूने को 'हिस्टो पैथोलॉजी' जांच के लिए भेजा गया है ताकि पता चल सके कि कहीं वह कैंसर से पीड़ित तो नहीं है।

TRIBUTES TO THE LEGEND

31.03.1931 02.04.2010

SHRI. JAIGOPAL GARODIA
PHILANTHROPIST & FOUNDER CHAIRMAN OF
JAIGOPAL GARODIA VIVEKANANDA VIDYALAYA TRUST &
JAIGOPAL GARODIA FOUNDATION
A true visionary, a patriot, a pioneer in education,
dedicated his life to the service of the people
A Priceless JEWEL of the Country !
"Always lives in our hearts,
Guiding, blessing and inspiring us."
REVERENTIAL REMEMBRANCE BY
MANAGEMENT, STAFF AND MILLIONS OF
STUDENTS & BENEFICIARIES OF
JAIGOPAL GARODIA GROUP OF INSTITUTIONS

फॉक्सकॉन भारत में आईफोन का उत्पादन बढ़ाएगी, संयंत्र के लिए 276 करोड़ रु. की नई मशीनरी खरीदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ताइवान की प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी फॉक्सकॉन ने एप्पल के उपकरणों का विनिर्माण बढ़ाने के लिए भारत में स्थित अपनी इकाई में 276 करोड़ रुपये की नई मशीनरी जोड़ी है। एक सूत्र ने यह जानकारी दी। यह घटनाक्रम अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा के अनुसार, दो अप्रैल से भारत सहित कई देशों पर जवाबी शुल्क लागू होने से एक दिन पहले हुआ है।

एक सूत्र ने पीटीआई-भाषा से कहा, फॉक्सकॉन होन हाई टेक्नोलॉजी इंडिया मेगा डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने भारत में आईफोन उत्पादन बढ़ाने के लिए 3.22 करोड़ डॉलर (लगभग 276 करोड़ रुपये) मूल्य के मशीनरी उपकरण प्राप्त किए हैं।

सूत्र के अनुसार, फॉक्सकॉन भारत में आईफोन का उत्पादन लगभग दोगुना करने के लिए काम कर रही है।

हालांकि, इस संबंध में फॉक्सकॉन और एप्पल को भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला है।

मोबाइल फोन विनिर्माताओं के संगठन आईसीईए ने अमेरिका से मोबाइल फोन पर आयात शुल्क को वर्तमान के 15 प्रतिशत से घटाकर शून्य करने का प्रस्ताव दिया है।

आईसीईए के अनुसार, अमेरिका कई इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों के मामले में भारत का प्रमुख विनिर्माण प्रतिस्पर्धी नहीं है। इसके बजाय, यह भारत को 80 अरब डॉलर के मोबाइल फोन निर्यात का अवसर प्रदान करता है। फॉक्सकॉन इस महीने हैदराबाद स्थित अपने संयंत्र में निर्यात के लिए एप्पल एयरपॉड्स का उत्पादन भी शुरू करने वाली है।

एयरपॉड्स, आईफोन के बाद दूसरा उत्पाद होगा जिसका उत्पादनएप्पल भारत में शुरू करेगी।

स्टालिन को राजा की टिप्पणी की निंदा करनी चाहिए : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रमुक के सांसद ए. राजा द्वारा हाल ही में दिए गए बयान बेहद निंदनीय हैं, क्योंकि वे तमिल लोगों की आध्यात्मिक मान्यताओं और प्रथाओं को कमतर आंकने का प्रयास करते हैं, और जानबूझकर समुदायों के बीच दरार पैदा करते हैं। भाजपा के प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने मांग की है कि मुख्यमंत्री स्टालिन को राजा की इस टिप्पणी की निंदा करते हुए उनपर कार्रवाई करनी चाहिए।

राजा की टिप्पणियाँ न केवल आहत करने वाली हैं, बल्कि विभाजनकारी भी हैं, जिनका उद्देश्य लोगों को सांप्रदायिक आधार पर ध्रुवीकृत करना है। यह दावा करके कि पवित्र चिह्न (पोट्टू) पहनना और माला (काइरू) ले जाना संघियों (दक्षिणपंथी हिंदुओं का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द) की विशेषता है, राजा ने हिंदू परंपराओं और प्रथाओं को गलत तरीके से प्रस्तुत करने का एक स्पष्ट प्रयास किया है। उनका बयान हिंदू समुदाय की मान्यताओं और मूल्यों का एक बड़ा गलत चित्रण है। इसके अलावा, राजा की टिप्पणियाँ हमारे देश के लोकतांत्रिक सिद्धांतों का अपमान हैं, जो प्रतिशोध या उपहास के डर के बिना किसी व्यक्ति को अपने धर्म का पालन करने की स्वतंत्रता की गारंटी देता है। उनके बयान नफरत फैलाने वाले भाषण का एक स्पष्ट उदाहरण हैं, जिसका उद्देश्य एक विशेष समुदाय और उसकी मान्यताओं को बदनाम करना है।

यह जरूरी है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन राजा की

भड़काऊ टिप्पणियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करें। स्टालिन का परिवार, जिसमें उनकी पत्नी दुर्गा स्टालिन भी शामिल हैं, हिंदू धर्म के प्रति आस्था रखने वाले माने जाते हैं, और यह जरूरी है कि वे राजा के बयानों की निंदा करें और हिंदू समुदाय को आश्वस्त करें कि उनकी मान्यताओं का सम्मान और संरक्षण किया जाएगा। द्रमुक के नेतृत्व ने लगातार हिंदू परंपराओं और प्रथाओं के प्रति समझ और सम्मान की कमी का प्रदर्शन किया है। हिंदू त्योहारों, रीति-रिवाजों और संस्थाओं को कमज़ोर करने के उनके प्रयासों में यह स्पष्ट है। डीएमके का हिंदू विरोधी एजेंडा तमिलनाडु के सामाजिक ताने-बाने के लिए ख़तरा है। यह ज़रूरी है कि राज्य के लोग ऐसी विभाजनकारी राजनीति को नकारें और मांग करें कि उनके नेता सभी समुदायों के अधिकारों का सम्मान करें और उनकी रक्षा करें। हमें नफ़रत और विभाजन के बजाय सम्मान, सहिष्णुता और समझ को बढ़ावा देना चाहिए।

राजा की हरकतें नफरत फैलाने वाले भाषण का स्पष्ट उदाहरण हैं, जिसका उद्देश्य एक विशेष समुदाय और उसकी मान्यताओं को बदनाम करना है। प्रसाद ने विज्ञप्ति में कहा कि यह जरूरी है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन राजा की भड़काऊ टिप्पणियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करें। स्टालिन को राजा के बयानों की निंदा करनी चाहिए और हिंदू समुदाय को आश्वस्त करना चाहिए कि उनकी मान्यताओं का सम्मान और संरक्षण किया जाएगा। इसके अलावा, राजा की हरकतें तमिलनाडु के सामाजिक ताने-बाने के लिए ख़तरा हैं, जो असहिष्णुता और नफ़रत की संस्कृति को बढ़ावा देती हैं। यह ज़रूरी है कि तमिलनाडु के लोग ऐसी विभाजनकारी राजनीति को नकारें और मांग करें कि उनके नेता सभी समुदायों के अधिकारों का सम्मान करें और उनकी रक्षा करें। तमिलनाडु में राजा की मौजूदगी राज्य की शांति और सद्भाव के लिए ख़तरा है, और उन्हें तुरंत राज्य से बाहर निकाल दिया जाना चाहिए। इसके अलावा, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को राजा को तुरंत प्रभाव से द्रमुक पार्टी से बाहर निकाल देना चाहिए।

भारतीय रक्षा कर्मियों ने ईशा योग केंद्र में लिया प्रशिक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां के ईशा योग केंद्र में गत 17 मार्च से 31 मार्च तक आयोजित परिवर्तनकारी कार्यक्रम, ईशा फाउंडेशन द्वारा रक्षा बलों के लिए आयोजित आठवां ऐसा कार्यक्रम था। शारीरिक तंदुरुस्ती और मानसिक तन्यकता के लिए भारतीय नौसेना के दृष्टिकोण के अनुरूप, ईशा फाउंडेशन के सद्गुरु गुरुकुलम ने भारतीय रक्षा बलों के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए 15 दिवसीय शास्त्रीय हठ योग ट्रेन द ट्रेनर आवासीय कार्यक्रम का समापन 31 मार्च को हुआ। कार्यक्रम में 72 रक्षा कर्मियों ने भाग लिया, जिन्हें रक्षा बलों में अपने साथियों को शास्त्रीय हठ योग के प्राचीन विज्ञान को सिखाने के लिए सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया गया।

कोयंबटूर के ईशा योग केंद्र में आयोजित परिवर्तनकारी कार्यक्रम, ईशा फाउंडेशन द्वारा रक्षा बलों के लिए आयोजित आठवां ऐसा कार्यक्रम था। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने ओम जप, ईशा क्रिया, उप योग, सूर्य क्रिया और अंगमर्दन सीखा। यह पहल सद्गुरु के दृष्टिकोण से मेल खाती है, जो निस्वार्थ भाव से राष्ट्र की सेवा करने वालों को शास्त्रीय हठ योग के गहन लाभ पहुँचाने का प्रयास करता है। कार्यक्रम के समापन पर पोस्ट करते हुए, ईशा फाउंडेशन के संस्थापक सद्गुरु ने कहा, भारतीय रक्षा बलों के लिए शास्त्रीय 'हठ योग प्रशिक्षण कार्यक्रम' पूरा करने पर 72 भारतीय नौसेना कर्मियों को बधाई। जब आप राष्ट्र को सर्वोच्च सेवा प्रदान कर रहे हों, तो यह सुनिश्चित करना सबसे महत्वपूर्ण है कि आपका शरीर और आपका मन आपकी सेवा में हो। हठ योग आपको संतुलन और स्पष्टता के साथ किसी भी स्थिति से बाहर निकलने के लिए आवश्यक शक्ति और लचीलापन प्रदान करेगा। आप सभी के प्रति हमारी कृतज्ञता एवं आशीर्वाद।

एफएसएसएआई ने तमिलनाडु सरकार से चीनी लहसुन की बिक्री पर रोक लगाने को कहा

चेन्नई/नई दिल्ली। खाद्य सुरक्षा नियामक एफएसएसएआई को चेन्नई के बाजारों में प्रतिबंधित चीनी लहसुन की बिक्री के बारे में शिकायतें मिली हैं और उसने तमिलनाडु सरकार को इस मामले की जांच करने का निर्देश दिया है। यह जानकारी केंद्र सरकार ने मंगलवार को लोकसभा को दी। चीनी लहसुन के आयात पर सितंबर 2005 से उस वक्त से प्रतिबंध लगा हुआ है, जब भारत ने इस उत्पाद में फंगस एम्बेलिसिया एली और यूरोसाइटिस सेपुले पाया था।

कृषि राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) और राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने 2023-24 के दौरान 546 टन और 2024-25 के दौरान 507 टन चीनी लहसुन जब्त किया है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) को भी चेन्नई के बाजारों में चीनी लहसुन की बिक्री के बारे में शिकायत मिली है।

एफएसएसएआई ने तमिलनाडु खाद्य सुरक्षा विभाग को निगरानी और निरीक्षण गतिविधियों के लिए निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग के तहत सभी प्लांट क्वारंटीन स्टेशनों को देश में प्रतिबंधित चीनी लहसुन के आयात को रोकने के लिए आवश्यक उपाय करने का निर्देश दिया गया है।

मोदी के दौरे के दौरान कांग्रेस की काले झंडे दिखाने की योजना को लेकर प्रधान ने साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने तमिलनाडु में छह अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ काले झंडे दिखाकर विरोध प्रदर्शन करने की योजना बनाने को लेकर मंगलवार को कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि यह कांग्रेस पार्टी के राजनीतिक और ''नैतिक दिवालियापन'' को दर्शाता है। प्रधान ने यह भी आरोप लगाया कि इस तरह के हथकंडे और ''घड़ियाली आंसू'' से न तो जनता प्रभावित होगी और न ही पार्टी के सिकुड़ते राजनीतिक आधार पर कोई असर पड़ेगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 को लागू न करने को लेकर केंद्र और तमिलनाडु

सरकार के बीच जारी खींचतान के बीच, तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी (टीएनसीसी) के अध्यक्ष के. सेल्वापेरुंथगई ने छह अप्रैल को मोदी के निर्धारित दौरे के दौरान उनके खिलाफ काले झंडे के साथ राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन करने की सोमवार को घोषणा की।

प्रधान ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, यह कांग्रेस के राजनीतिक, बौद्धिक और नैतिक दिवालियापन का सारांश है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने एक दशक में तमिलों और तमिलनाडु के लिए उतना काम किया है, जितना कांग्रेस ने 70 साल में नहीं किया। तमिलनाडु मांग कर रहा है कि केंद्र 2,500 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी करे, जो राज्य द्वारा पीएम श्री योजना को लागू करने से इनकार करने के कारण रोक दी गई है। प्रधान ने 2004 से 2014 के बीच कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकारों का उल्लेख करते हुए कहा, प्रधानमंत्री मोदी जी ने राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर तमिल भाषा, संस्कृति और प्रतीकों को बढ़ावा देने के लिए चौतरफा और जोरदार प्रयास किए हैं, जबकि कांग्रेस केवल दिखावटी बातें करती रही है। टीएनसीसी अध्यक्ष को भाजपा के पिछले 10 वर्षों के शासनकाल में तमिलनाडु को आवंटित केंद्रीय निधियों की मात्रा की तुलना संप्रग 1 और 2 के तहत आवंटित निधियों से भी करनी चाहिए। उन्होंने कहा, लोग जानते हैं कि कांग्रेस ने किस तरह तमिलनाडु को हर मोर्चे पर धोखा दिया है। इस तरह के दिखावटी हथकंडे और घड़ियाली आंसू से न तो जनता प्रभावित होगी और न ही पार्टी के सिकुड़ते राजनीतिक आधार पर कोई असर पड़ेगा।

टीवीएस मोटर कंपनी की बिक्री मार्च में 17 प्रतिशत बढ़कर 4,14,687 इकाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। टीवीएस मोटर कंपनी की मार्च में कुल बिक्री सालाना आधार पर 17 प्रतिशत बढ़कर 4,14,687 इकाई हो गई, जबकि मार्च, 2024 में यह 3,54,592 इकाई रही थी। कंपनी के बयान के अनुसार, पिछले महीने कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री 16 प्रतिशत बढ़कर 4,00,120 इकाई हो गई, जो मार्च, 2024 में 3,44,446 इकाई रही थी। मार्च, 2025 में घरेलू दोपहिया वाहनों की बिक्री 14 प्रतिशत बढ़कर 2,97,622 इकाई हो गई, जो एक साल पहले इसी महीने में 2,60,532 इकाई थी।

टीवीएस मोटर ने कहा कि पिछले महीने उसकी इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री 77 प्रतिशत बढ़कर 26,935 इकाई हो गई, जो इससे पिछले साल समान महीने में 15,250 इकाई थी। मार्च में तिपहिया वाहनों की बिक्री 14,567 इकाई रही जो मार्च, 2024 के 10,146 इकाई के आंकड़े से 44 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने कहा कि पिछले महीने उसका निर्यात 23 प्रतिशत बढ़कर 1,13,464 इकाई हो गया, जो मार्च, 2024 में 91,972 इकाई था। टीवीएस मोटर कंपनी ने कहा, वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी ने 2023-24 के 41.91 लाख इकाइयों की तुलना में 13 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 47.44 लाख वाहन बेचे। कुल निर्यात 18 प्रतिशत बढ़कर 11.95 लाख इकाई रहा।

वायनाड भूस्खलन में 298 लोगों की मौत : सरकार

वायनाड/नई दिल्ली। सरकार ने मंगलवार को लोकसभा को अवगत कराया कि पिछले साल केरल के वायनाड जिले में हुए भूस्खलन में कुल 298 लोगों की मौत हुई थी। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि हालांकि केंद्र सरकार भूस्खलन सहित आपदाओं के कारण होने वाली मौतों/लापता व्यक्तियों का केंद्रीय डेटा नहीं रखती है, लेकिन केरल सरकार ने उन्हें बताया कि वायनाड में भूस्खलन के कारण कुल 298 लोगों की मौत हुई है।

राय ने कहा कि 32 लापता व्यक्तियों को मृत घोषित कर दिया गया है। केंद्र द्वारा राज्य को दिए गए मुआवजे के बारे में पूछे जाने पर राय ने कहा कि अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय टीम (आईएमसीटी) की एक रिपोर्ट के आधार पर, केंद्र सरकार ने 2024 के भूस्खलन, अचानक आई बाढ़ के लिए 153.4% करोड़ रुपये की राशि को मंजूरी दी बशर्ते राज्य आपदा मोचन निधि (एसडीआरएफ) खाते में उपलब्ध 50 प्रतिशत राशि समायोजित की जाए।

उन्होंने कहा कि इसके अलावा, वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए एसडीआरएफ में केरल सरकार को 388 करोड़ रुपये (291.20 करोड़ रुपये केंद्रीय हिस्सा और 96.80 करोड़ रुपये राज्य का हिस्सा) आवंटित किए गए हैं, जबकि केंद्रीय हिस्से की 145.60 करोड़ रुपये की किस्त 31 जुलाई, 2024 को जारी की गई। मंत्री ने कहा कि केंद्रीय हिस्से की 145.60 करोड़ रुपये की दूसरी किस्त भी एक अक्टूबर, 2024 को राज्य को अग्रिम रूप से जारी कर दी गई। उन्होंने कहा कि केरल के महालेखाकार ने एक अप्रैल, 2024 तक अपने एसडीआरएफ खाते में 394.99 करोड़ रुपये की शेष राशि की सूचना दी है।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार, राहत कार्यों के लिए राज्य के एसडीआरएफ खाते में 'पर्याप्त निधि' उपलब्ध है। पिछले साल 30 जुलाई को आई इस आपदा में अट्टामाला के कुछ हिस्सों के अलावा वायनाड के तीन गांवों-- पुंचिरिमट्टम, चूरलमाला और मुंडक्कई का बड़ा हिस्सा तहस-नहस हो गया था।

पलक्कड़ में पुलिसकर्मी, हिरासत में लिए गए व्यक्ति पर समूह ने हमला किया

पलक्कड़/भाषा। केरल के पलक्कड़ में ओट्टापलम के निकट एक अन्य समूह के साथ झगड़े में कथित रूप से शामिल एक व्यक्ति को हिरासत में लेने के दौरान दो पुलिस अधिकारियों पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। इस हमले में एक अधिकारी घायल हो गया। ओट्टापलम थाने के एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि अधिकारियों पर उसी समूह के सदस्यों ने हमला किया जिनके साथ हिरासत में लिए गए व्यक्ति की लड़ाई हुई थी। अधिकारी ने कहा कि दो समूहों के बीच लड़ाई के बारे में थाने में शिकायत मिली थी और दोनों अधिकारियों को इसे रोकने के लिए मौके पर भेजा गया था। पुलिस ने बताया कि जब उन्होंने झगड़ा खत्म किया और एक व्यक्ति को हिरासत में लिया तो दूसरे समूह के सदस्यों ने अचानक उन पर हमला कर दिया,

केरल सरकार से रिश्ते सुधार लें थरूर तो उनके क्षेत्र की समस्या का हल निकल जाएगा : केंद्रीय मंत्री

तिरुवनंतपुरम/नईदिल्ली/भाषा। मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने मंगलवार को लोकसभा में कांग्रेस सांसद शशि थरूर पर तंज कसते हुए कहा कि यदि वह केरल सरकार के साथ रिश्ता सुधार लेते हैं तो उनके निर्वाचन क्षेत्र की समस्या का समाधान निकल आएगा। मछुआरा समुदाय के समक्ष आ रही 'कठिनाइयों' पर कांग्रेस सांसद के. सी. वेणुगोपाल के ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए केरल के तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर ने कहा कि उनके निर्वाचन क्षेत्र से राज्य के 28 प्रतिशत मछुआरे आते हैं लेकिन उनके पास एक बड़े बंदरगाह के अलावा कोई फिशरीज 'हार्बर' नहीं है।

थरूर ने कहा, फिशरीज हार्बर बनाने की काफी समय से की जा रही मांग लंबित है। लेकिन सरकार की ओर से कोई कदम नहीं उठाया गया है। केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने चर्चा का जवाब देते हुए कहा, अभी शशि थरूर साहब बोल रहे थे, मुझसे मिले भी थे। मुझे उनकी समस्या को लेकर सहानुभूति है। मैंने उन्हें बताया भी है कि आपकी समस्या के साथ मुझे सहानुभूति है।

उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, लेकिन उसका रास्ता है कि राज्य सरकार से थोड़ा रिश्ता ठीक कर लीजिए, तो आपकी समस्या का समाधान हो जाएगा। सिंह ने कहा, ...उनके (राज्य सरकार) पास थरूर साहब को देने के लिए पैसे नहीं हैं। आप थोड़ा रिश्ता सुधार लीजिए तो आपके लिए भी पैसा निकल आएगा।

इस पर, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, वह तो विपक्ष में रिश्ते को सुधारेंगे। केरल में वाम दलों के नेतृत्व वाली एलडीएफ (वाम लोकतांत्रिक मोर्चा) सरकार है, वहीं कांग्रेस विपक्षी यूडीएफ (संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा) का हिस्सा है। सिंह ने चर्चा के अपने जवाब में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल के कारण पूरे तटीय क्षेत्र में 'फिशरीज हार्बर' का विस्तार हुआ है।

इसरो ने म्यांमा में भूकंप से हुए नुकसान की तस्वीरें जारी कीं

बेंगलूरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने 28 मार्च को म्यांमा में आए भूकंप से हुए नुकसान की उसके कार्टोसैट-3' द्वारा खींची गई तस्वीरें जारी की हैं। इसरो ने कहा कि उसने आपदा के बाद 29 मार्च को कार्टोसैट-3' द्वारा म्यांमा के मांडले और सागाइंग शहरों के ऊपर से ली गई तस्वीरें हासिल कीं। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि इसके अलावा 18 मार्च को उसी क्षेत्र को कवर करने वाले 'कार्टोसैट-3' से प्राप्त किए गए आपदा पूर्व डेटा को विश्लेषण और नुकसान के आकलन के लिए भेजा गया है।

'कार्टोसैट-3' उपग्रह तीसरी पीढ़ी का एक दक्ष उन्नत उपग्रह है जिसमें उच्च रिजॉल्यूशन' वाला कैमरा लगा है, जो बेहतर तस्वीरें लेने में सक्षम है। इसरो ने एक बयान में कहा, तस्वीरों से पता चलता है कि मांडले शहर में बुनियादी ढांचे को काफी नुकसान पहुंचा है, जिसमें स्काई विला', फयानी पैगोडा (मंदिर), महामुनि पैगोडा और आनंद पैगोडा, मांडले विश्वविद्यालय और कई अन्य प्रमुख स्थल या तो पूरी तरह से या आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए। सागाइंग शहर में, मा शि खाना पैगोडा के साथ-साथ कई मठों और अन्य इमारतों को नुकसान पहुंचा है। इसरो के अनुसार, तस्वीरों से पता चलता है कि भूकंप के कारण इन वा सिटी के पास इरावती नदी पर ऐतिहासिक अवा (इनवा) पुल पूरी तरह से ढह गया।

उपमुख्यमंत्री ने शिवकुमार स्वामी को भारत रत्न देने का किया आग्रह

तुमकुरु। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मंगलवार को केंद्र से श्री शिवकुमार स्वामीजी को समाज के लिए उनके अमूल्य योगदान के लिए भारत रत्न देने का आग्रह किया। सिद्धगंगा मठ में श्री शिवकुमार स्वामीजी की 118वीं जयंती मनाने के लिए आयोजित एक समारोह में उन्होंने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से अपील की, श्री शिवकुमार स्वामीजी ने जाति और धर्म से ऊपर उठकर लाखों लोगों को अन्न, अक्षर और आश्रय दिया है। केंद्र को उन्हें भारत रत्न देने पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं केंद्रीय रक्षा मंत्री से अपील करता हूं कि वे इसे प्रधानमंत्री के ध्यान में लाएं। यह कर्नाटक के लोगों और कर्नाटक सरकार की ओर से एक अपील है। शिवकुमार स्वामीजी ने इस समाज को कई उपलब्धियां दी हैं। सिद्धगंगा मठ एक पवित्र स्थान है।

तुमकुरु के सिद्धगंगा मठ में आयोजित गुरु वंदना कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री राजनाथ सिंह से मिलते हुए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार। इस मौके पर सुत्तूर मठ के प्रमुख श्री शिवरात्रि देशीकेंद्र स्वामीजी, सिद्धगंगा मठ के प्रमुख श्री सिद्धलिंग स्वामीजी, कनिष्ठ श्री शिवसिद्धेश्वर स्वामीजी, केन्द्रीय मंत्री वी सोमन्ना, विधायक सुरेश गौड़ा, डॉ रंगनाथ, गुब्बी श्रीनिवास, ज्योति गणेश, नेलमंगला श्रीनिवास और अन्य ने भाग लिया।

उन्होंने कहा, कवि सर्वज्ञ ने कहा था कि मोक्ष केवल गुरु से ही मिल सकता है। मुझे श्री शिवकुमार स्वामीजी से चेन्नई के एक अस्पताल में उनके अंतिम दिनों में मिलने का सौभाग्य मिला। वे हमारे जिले से हैं। मुझे उनके नाम पर अपना नाम रखने का सौभाग्य मिला है। वे हम सभी के लिए एक देवता हैं और उनके आदर्श, उपदेश और जीवन जीने का तरीका हम सभी के लिए मार्गदर्शक शक्ति है। मैंने तत्कालीन मुख्यमंत्री एस एम कृष्णा के साथ मठ का दौरा किया था, जो मठ में अन्नदाशोह से प्रेरित होकर सभी सरकारी स्कूलों में मध्याह्न भोजन शुरू करने के लिए प्रेरित हुए थे। स्वामीजी बसवन्ना के एक समर्पित अनुयायी थे और सभी को साथ लेकर चलने में दृढ़ विश्वास रखते थे। हम यहां उस महान इंसान को श्रद्धांजलि देने आए हैं, जिन्होंने अमीर और गरीब, समुदायों के बीच भेदभाव नहीं किया। इस मठ में सभी के साथ समान व्यवहार किया जाता था। हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम उनकी परंपरा को आगे बढ़ाएं।

'एल2: एम्पुरान' के प्रदर्शन पर अंतरिम रोक लगाने से अदालत का इनकार

कोच्चि/भाषा। केरल उच्च न्यायालय ने सुपरस्टार मोहनलाल अभिनीत मलयालम फिल्म 'एल 2: एम्पुरान' के प्रदर्शन पर रोक लगाने के लिए कोई अंतरिम आदेश जारी करने से मंगलवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति सी एस डायस ने केंद्र और सेंसर बोर्ड को नोटिस जारी करके त्रिशूर निवासी वी वी विजेश की याचिका पर उनका जवाब मांगा है। विजेश ने दावा किया है कि फिल्म का प्रदर्शन जारी रखने से सांप्रदायिक हिंसा भड़कने और सार्वजनिक व्यवस्था में खलल पड़ने का खतरा है। अदालत ने मामले की सुनवायी छुट्टियों के बाद निर्धारित की है। अदालत ने यह भी सवाल किया कि क्या याचिकाकर्ता ने यह याचिका प्रचार के लिए दायर की थी। मामले की संक्षिप्त सुनवायी के दौरान अदालत ने यह भी सवाल किया कि जब सेंसर बोर्ड ने फिल्म को सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए प्रमाणित कर दिया है, तो दिक्कत क्या है। अदालत ने याचिका दायर करने के पीछे याचिकाकर्ता की मंशा पर भी संदेह जताया। अदालत ने साथ ही यह भी कहा कि फिल्म के खिलाफ कहीं भी कोई मामला दायर नहीं किया गया है। राज्य सरकार ने कहा कि केरल में फिल्म के खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है। इस बीच, फिल्म के निर्माताओं में से एक एंटनी पेरुंबवूर ने दिन में पहले जानकारी दी कि फिल्म से दो मिनट से अधिक के दृश्य हटा दिए गए हैं। कोच्चि में पत्रकारों से बातचीत के दौरान पेरुंबवूर ने कहा कि फिल्म से विवादास्पद दृश्य हटाने का निर्णय सभी निर्माताओं तथा मोहनलाल और पृथ्वीराज सुकुमारन समेत सभी अभिनेताओं का संयुक्त निर्णय था।

कर्नाटक पुलिस ने लुटेरे गिरोह का भंडाफोड़ किया

चोरी का 17 किलोग्राम से अधिक सोना बरामद

दावणगेरे। कर्नाटक पुलिस ने छह सदस्यीय लुटेरे गिरोह का भंडाफोड़ कर चोरी का 17.7 किलोग्राम सोना बरामद किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह सोना 28 अक्टूबर 2024 को दावणगेरे जिले के न्यामती स्थित भारतीय स्टेट बैंक की शाखा से चोरी किया गया था। पुलिस ने चोरी का लॉकर तमिलनाडु के मदुरै जिले के उसलमपट्टी कस्बे के एक कुएं से बरामद किया।

इसने बताया कि आरोपियों में विजय कुमार (30), उसका भाई अजय कुमार (28), अभिषेक (23), चंद्रु (23), मंजूनाथ (32) और परमदानंद (30) शामिल हैं। जांच के दौरान पुलिस ने उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले के ककराला से जुड़े एक अन्य बैंक डकैती गिरोह का भी भंडाफोड़ किया जो दक्षिण भारत में कई बैंक डकैतियों को अंजाम दे चुका है।

पुलिस ने कहा, ककराला और पड़ोसी शहरों में बैंक डकैतों के लगभग पांच से छह गिरोह हैं जो देश भर में बैंक चोरी और डकैती कर रहे हैं। इसने कहा कि नवंबर 2024 से फरवरी 2025 के बीच पुलिस टीमों ने गुजरात, राजस्थान, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में कई तलाशी अभियान चलाए। इस दौरान ककराला गिरोह के गुड्डु कालिया, असलम, हजरत अली, कमरुद्दीन और बाबू सहान को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान इन अपराधियों के तमिलनाडु और कर्नाटक में अन्य अपराधों में भी संलिप्त होने की जानकारी मिली है।

आईसीडीएस में महिला पर्यवेक्षक के 416 पदों पर नियुक्ति के आदेश हुए जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग के निदेशालय, समेकित बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) द्वारा महिला पर्यवेक्षक के 416 पदों पर नियुक्ति के आदेश जारी किये गए हैं। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी के निर्देशन में महिला एवं बाल विकास विभाग का सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। विभाग में कार्मिकों की कमी नहीं होने से कार्य सुगमता से होंगे जिससे महिला एवं बाल विकास की योजनाओं से आमजन सरलता और सुगमता से लाभान्वित हो सकेंगे। निदेशक आईसीडीएस ओ. पी. बुनकर ने बताया कि विभाग में 416 कार्मिकों को पोस्टिंग मिली है। इसमें से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कोटे से 216 कार्यकर्ताओं की और सीधी भर्ती से 200 महिला पर्यवेक्षकों की भर्ती की गई है।

निदेशक ने बताया कि इससे विभाग के कार्य संपादन और मॉनिटरिंग में आसानी होगी। उन्होंने बताया कि विभाग को नवीन कार्मिक मिलने से उसकी कार्य क्षमता में वृद्धि होगी। उक्त कैडर के 20 प्रतिशत से अधिक कार्मिकों का मिलना विभागीय कार्यों के संपादन में उपयोगी होगा। निदेशक आईसीडीएस ने बताया कि राज्य की बाल विकास परियोजनाओं में कार्यरत सभी सीडीपीओ को निर्देशित किया है कि उक्त आदेश में दिए गए निर्देशानुसार कार्मिकों की पर्सनल फाइल का संधारण सुव्यवस्थित ढंग से किया जाए और कार्मिकों की सर्विस बुक भी को समय पर बनाकर उसमें तथ्यात्मक सूचनाएं सावधानी से सुस्पष्टता से भरी जाए। अधूरी सर्विस बुक बाद में समस्या का कारण बनती है। उन्होंने कार्मिकों की फोटो, हस्ताक्षर , अँगुली और अंगूठे के निशान, शैक्षणिक योग्यता इत्यादि सभी एंट्री पूर्ण सावधानी से करने के निर्देश दिए।

निदेशक ओ.पी. बुनकर ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कोटे से भर्ती हुई कार्यकर्ता से विभाग द्वारा आवंटित फोन तथा समस्त रिकार्ड अन्य कार्यकर्ता/सहायिका जिसको भी चार्ज दिया जा रहा है, को सुपुर्द करने के उपरांत ही कार्यमुक्त आदेश जारी करने के सीडीपीओ को निर्देश दिए। उन्होंने सीडीपीओ को उक्त कार्मिकों को कार्यमुक्ति आदेश के साथ नियुक्ति आदेश भी जारी करने और निर्देशानुसार फोटो युक्त अनुभव प्रमाण पत्र भी जारी किया करने और इनका संधारण कार्मिक की पर्सनल फाइल में करने के निर्देश दिए।

रसायन कारखाने में गैस रिसाव से मालिक समेत तीन लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान के ब्यावर में सोमवार रात एक तेजाब फैक्टरी के गोदाम में खड़े टैंकर से नाइट्रोजन गैस के रिसाव से बड़ा हादसा हो गया। इस घटना में फैक्टरी मालिक सुनील सिंघल (47) समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे से प्रभावित 60 से अधिक लोगों को ब्यावर और अजमेर के सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। गैस का प्रभाव इतना गंभीर था कि आसपास के इलाकों में कई पालतू और आवारा जानवरों की भी मौत हो गई।

घटना ब्यावर के बाड़िया क्षेत्र स्थित सुनील ट्रेडिंग कंपनी में सोमवार रात करीब 10 बजे हुई। फैक्टरी के गोदाम में खड़े टैंकर से अचानक नाइट्रोजन गैस का रिसाव शुरू हो गया। रिसाव इतनी तेजी से हुआ कि कुछ ही सेकंड में गैस आसपास के रिहायशी इलाकों तक फैल गई। गैस की चपेट में आने से स्थानीय लोगों को सांस लेने में तकलीफ, आंखों में जलन और उल्टी जैसी समस्याएं होने लगीं।

फैक्टरी मालिक सुनील सिंघल पूरी रात गैस को नियंत्रित करने की कोशिश में लगे रहे। स्थिति बिगड़ने पर उन्हें अजमेर के जेएलएन अस्पताल रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मंगलवार सुबह दो अन्य पीड़ित, नरेंद्र सोलंकी (40) और दयाराम (52) ने भी दम तोड़ दिया। इस हादसे में गंभीर रूप से बीमार दो अन्य मरीज, बाबूलाल (54) और लक्ष्मी देवी (62), अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं। रात करीब 11 बजे तक गैस लीकेज पर काबू पा लिया गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने फैक्टरी के आसपास के घरों को खाली करवा दिया। स्थानीय निवासी महेंद्र सिंघल ने बताया कि गैस रिसाव के दौरान उनके परिवार को सांस लेने में दिक्कत और आंखों में जलन होने लगी, जिसके बाद उन्होंने खुद ही घर छोड़ने का फैसला किया। वहीं, कई अन्य परिवारों को प्रशासन ने सुरक्षित स्थानों पर भेजा।

घटना के बाद अजमेर के कलेक्टर डॉ. महेंद्र खड़गावत ने फैक्टरी को सील करने के आदेश दिए हैं। ब्यावर एसडीएम दिव्यांश सिंह ने बताया कि फैक्ट्री की गहन जांच की जा रही है। नगर परिषद, राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा पूरे क्षेत्र का सर्वे किया जाएगा। प्रशासन ने इस हादसे को गंभीर मानते हुए एफआईआर दर्ज कर ली है। स्थानीय लोगों में अब भी दहशत बनी हुई है और वे अपने घरों में लौटने से डर रहे हैं। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि गैस रिसाव किस वजह से हुआ और क्या फैक्ट्री में सुरक्षा मानकों का पालन किया जा रहा था। यह हादसा एक बड़ी लापरवाही की ओर इशारा करता है, जिससे कई लोगों की जान चली गई और कई लोग प्रभावित हुए। प्रशासन की जांच रिपोर्ट से ही यह स्पष्ट होगा कि इस दुर्घटना के लिए कौन जिम्मेदार है और आगे क्या कार्रवाई होगी।

राज्यपाल की शोक संवेदना

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने ब्यावर में फैक्ट्री के गोदाम में नाइट्रोजन गैस रिसाव हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने ईश्वर से मृतकों की पुण्यात्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है। उन्होंने हादसे में घायलों के जल्द स्वस्थ होने की भी कामना की है।

गैस रिसाव की दुर्घटना दुःखद : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा कि ब्यावर में एक फैक्ट्री के गोदाम में नाइट्रोजन गैस रिसाव की दुर्घटना में हुई जनहानि दुःखद एवं हृदयविदारक है। संबंधित अधिकारियों को प्रभावितों का समुचित उपचार सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया है। प्रभु राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्माओं को अपने चरणों में स्थान एवं प्रभावितों को अतिशीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

नववर्ष में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की कार्मिकों को सौगात, महंगाई भत्ते में 2 प्रतिशत वृद्धि को दी मंजूरी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नववर्ष विक्रम संवत (2082) एवं नवीन वित्तीय वर्ष 2025-26 के अवसर पर राज्य कार्मिकों को महंगाई भत्ते में 2 प्रतिशत वृद्धि की सौगात दी है। पेंशनर्स को भी महंगाई राहत में 2 प्रतिशत वृद्धि देय होगी। उल्लेखनीय है कि गत शुक्रवार को केन्द्र सरकार द्वारा केन्द्रीय कार्मिकों के डीए में बढ़ोतरी की गई थी। इस बढ़ोतरी के बाद पहले कार्यदिवस पर ही मुख्यमंत्री के निर्देश पर बिना देरी किए राज्य में भी केंद्र सरकार के कर्मचारियों के अनुरूप महंगाई भत्ता अथवा मंहगाई राहत में वृद्धि को मंजूरी प्रदान की गई है।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को इस संबंध में वित्त विभाग के प्रस्ताव का अनुमोदन किया। अब प्रदेश में सातवें वेतनमान के अंतर्गत राज्य कर्मचारियों एवं पेंशनर्स को 1 जनवरी 2025 से 53 प्रतिशत से बढ़ाकर 55 प्रतिशत महंगाई भत्ता अथवा मंहगाई राहत देय होगी। इस निर्णय का लाभ लगभग 8 लाख कर्मचारियों एवं 4.40 लाख पेंशनर्स को मिलेगा। पंचायत समिति तथा जिला परिषद के कर्मचारियों को भी इस वृद्धि का लाभ मिलेगा।

कर्मचारियों को मई 2025 में देय अप्रेल 2025 के वेतन से बढ़े हुए महंगाई भत्ते का नकद भुगतान किया जाएगा तथा दिनांक 01 जनवरी से 31 मार्च 2025 तक तीन माह की राशि संबंधित कर्मचारियों के सामान्य प्रावधायी निधि खाते में जमा की जाएगी। पेंशनरों को 01 जनवरी, 2025 से महंगाई राहत का नकद भुगतान किया जायेगा। कर्मचारियों और पेंशनरों के हित में लिए गए इस संवेदनशील निर्णय से राज्य सरकार पर लगभग 820 करोड़ रूपए का वार्षिक वित्तीय भार आएगा।

पत्नी व चाची की हथौड़ा मारकर हत्या की, खुद भी फंदे पर लटका

जयपुर/दक्षिण भारत। जयपुर के करधनी इलाके में एक व्यक्ति ने अपनी गर्भवती पत्नी और चाची की कथित तौर पर हथौड़ा मारकर हत्या कर दी। पुलिस का कहना है कि युवक ने बाद में अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार घटना सोमवार शाम की है जब पंकज कुमावत (36) ने अपनी पत्नी सुनीता (33) पर हथौड़े से वार किया। उसने अपने बेटे यांश (9) पर भी हमला करने का प्रयास किया, लेकिन वह बच गया। जब उसकी चाची मधु (55), सुनीता को बचाने आई तो उसने उसके सिर पर भी वार किया। पुलिस के अनुसार, सुनीता और मधु की मौके पर ही मौत हो गई। यांश और उसका चचेरा भाई हिमांक घर से बाहर निकले और पड़ोसियों को इसकी सूचना दी, जिन्होंने पंकज के परिजनों को बुलाया। इस बीच पंकज ने अपना कमरा बंद कर लिया और फांसी लगा ली।

करधनी के थानाधिकारी सवाई सिंह ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया है। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा लग रहा है कि आटो चालक पंकज आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण परेशान था। मामले की आगे जांच की जा रही है।

राजस्थान में 42 डिग्री पहुंचा पारा, भीषण गर्मी से होगा बुरा हाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। गर्मी ने पूरे देश में अपनी दस्तक दे दी है और अप्रैल की शुरुआत में ही पारा चढ़ने लगा है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ सकता है। उत्तर भारत में जहां तेज धूप और लू चलने की संभावना है, वहीं दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों में हल्की बारिश की उम्मीद जताई जा रही है। दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कई इलाकों में तापमान तेजी से बढ़ रहा है। राजधानी दिल्ली में पारा 40 डिग्री के करीब पहुंच गया है, जबकि राजस्थान के कुछ इलाकों में यह 42 डिग्री तक दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में लू चलने की चेतावनी जारी की है।

दक्षिण भारत के तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के कुछ इलाकों में हल्की बारिश के आसार हैं। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम के चलते यहां बादल छाए रह सकते हैं और कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इससे तापमान में कुछ गिरावट आएगी और लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिलेगी। बंगाल, ओडिशा, असम, मेघालय और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में बादल छाए रह सकते हैं और हल्की बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, इन इलाकों में अगले दो-तीन दिनों तक बारिश जारी रह सकती है, जिससे तापमान में मामूली गिरावट आ सकती है।

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी गर्मी बढ़ने लगी है। भोपाल, इंदौर, रायपुर और ग्वालियर जैसे शहरों में तापमान 38-41 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया है।

यहां भी अगले कुछ दिनों में लू चलने की संभावना है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में भी तापमान सामान्य से ऊपर जा रहा है। हालांकि, ऊंचाई वाले इलाकों में मौसम सुहावना बना हुआ है, लेकिन मैदानी हिस्सों में गर्मी ने अपनी पकड़ बना ली है। शिमला, मसूरी और नैनीताल जैसे हिल स्टेशनों पर भी तापमान बढ़ रहा है, जिससे सैलानियों को हल्की गर्मी का सामना करना पड़ सकता है।

जोधपुर जेल में रेप के दोषी आसाराम ने किया सरेंडर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। नाबालिग से रेप करने वाले आसाराम बापू ने जोधपुर जेल में सरेंडर कर दिया है। वह पैर में प्लास्टर बांधकर वापस जेल पहुंचे। उनकी अंतरिम जमानत 31 मार्च को समाप्त हो गई है। हालांकि गुजरात हाईकोर्ट ने 30 जून तक के लिए जमानत दे दी थी, लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ।

आसाराम अपने समर्थकों के साथ वापस जोधपुर सेंट्रल जेल पहुंचे। उनके पैर में प्लास्टर बंधा था। इसके चलते आसाराम ठीक से चल भी नहीं पा रहे थे। उन्हें व्हीलचेयर के जरिए अपनी बैरक तक ले जाया गया। इससे पहले पुलिस कर्मियों ने उनकी चेन और अंगूठी उतरवा ली थी। आसाराम के वकील ने जमानत का समय बढ़ाने के लिए याचिका दाखिल की हुई है। इसकी सुनवाई कल 2 अप्रैल को होनी है। अगर राजस्थान हाईकोर्ट ने उनकी जमानत अवधि नहीं बढ़ाई तो आसाराम को जेल में ही रहना होगा। क्योंकि, जब तक दोनों मामलों में राहत नहीं मिलती उन्हें जेल में ही रहना होगा। दो मामलों की बात करें तो आसाराम को जोधपुर और गांधीनगर दो अलग-अलग कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई हुई है। दोनों जगह उसके खिलाफ रेप का मामला है। राजस्थान के जोधपुर कोर्ट ने नाबालिग से रेप के आरोप में 25 अप्रैल 2018 को आजीवन कैद की सजा सुनाई थी। वहीं गुजरात के गांधीनगर कोर्ट ने 31 जनवरी 2023 को एक महिला से रेप करने का दोषी पाए जाने पर आजीवन कैद की सजा सुनाई थी।

गुजरात हाईकोर्ट की तरफ से विभाजित फैसला सामने आया था। जमानत के लिए लगाई गई याचिका 25 मार्च को गुजरात हाईकोर्ट ने सुरक्षित रख ली थी। 28 मार्च को फैसला आया तो एक न्यायाधीश ने हां तो दूसरे ने ना कहा। इसके चलते चीफ जस्टिस के पास मामला पहुंचाया गया। इसके बाद तीसरे जज ने आसाराम को अंतरिम जमानत देने का फैसला किया। और 2-1 के निर्णय से फैसला आसाराम के पक्ष में गया। और उनकी जमानत 30 जून तक के लिए बढ़ा दी गई।

राजस्थान दिवस पर अनिल अग्रवाल का जोश भरा संदेश प्रदेश की समृद्धि और संस्कृति को किया नमन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान दिवस के मौके पर वेदांत समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने अपने एक्स हैंडल पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने राजस्थान की प्राकृतिक संपदा, सांस्कृतिक धरोहर और विकास की संभावनाओं की जमकर सराहना की। उन्होंने लिखा, राजस्थान - जो मेरी जन्मभूमि है - हमेशा मेरे दिल के बहुत क़रीब है। यह प्रदेश अपने नेचुरल रिसोर्सेज, महत्वपूर्ण मिनरल्स और अद्भुत एंटरप्रेन्योरियल स्पिरिट के कारण भारत की ग्रोथ और डेवलपमेंट को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की क्षमता रखता है।

अनिल अग्रवाल ने बताया कि उनके दो महत्वपूर्ण बिज़नेस राजस्थान में संचालित हैं, और यह राज्य इंक्लूसिव डेवलपमेंट का एक बेहतरीन उदाहरण पेश कर रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान ने यह साबित किया है कि किस तरह समृद्धि और सतत विकास को एक साथ साधा जा सकता है। राजस्थान की सांस्कृतिक विविधता की सराहना करते हुए अग्रवाल ने लिखा, घूमर से लेकर दाल बाटी चूरमा तक, विशाल महलों से लेकर थार मरुस्थल के सुनहरे सैंड ड्यून्स तक, राजस्थान वह जगह है जहां विरासत और सद्भाव एक साथ मिलते हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों की गर्मजोशी और मेहमाननवाज़ी को सलाम करते हुए कहा कि 'पधारो म्हारे देस' सिर्फ एक टैगलाइन नहीं, बल्कि राजस्थान की आत्मा है। अनिल अग्रवाल ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को भी बधाई दी और उनके नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि राज्य विकास की नई ऊँचाइयाँ हासिल कर रहा है। अंत में, उन्होंने राजस्थान की वीर भूमि को नमन करते हुए लिखा, यह भूमि वीरों की है, उनकी गाथाओं की है। उन वीरों को मेरा कोटि-कोटि प्रणाम! इस प्रेरणादायक संदेश के साथ अनिल अग्रवाल ने सभी राजस्थानियों और भारतवासियों को राजस्थान दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

कांग्रेस नेता गिरिजा व्यास 90% झुलसीं

डॉक्टरों ने कहा- सिर में चोट से ब्रेन हेमरेज हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। कांग्रेस पार्टी की वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री गिरिजा व्यास गणगौर पूजन के दौरान मंगलवार शाम गंभीर रूप से झुलस गईं। पूजा के दौरान हुई दुर्घटना में गिरने के कारण उन्हें गंभीर चोटें आईं। फिलहाल, उन्हें अहमदाबाद के जाइडस अस्पताल के आईसीयू में रखा गया है। हॉस्पिटल के बर्न स्पेशलिस्ट डॉ. गिरीश अमलानी के हवाले से मीडिया रिपोर्ट्स में बताया कि गिरिजा व्यास की स्थिति बेहद गंभीर है और उन्हें 90% जलन के साथ ब्रेन हेमरेज का भी सामना करना पड़ा है। उनकी हालत को देखते हुए वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है, और वर्तमान स्थिति में सर्जरी संभव नहीं है।

गिरिजा व्यास के भाई गोपाल शर्मा ने हालांकि डॉक्टरों की ब्रेन हेमरेज और वेंटिलेटर की बात से इनकार किया। उन्होंने कहा, दीदी सिर्फ आईसीयू में भर्ती हैं, हम उनकी जल्दी स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। गोपाल शर्मा ने कहा कि गिरिजा व्यास उनके लिए माता-पिता के समान हैं, जिन्होंने उनके पालन-पोषण की जिम्मेदारी निभाई। इस दौरान कांग्रेस के अन्य नेताओं ने भी गिरिजा व्यास की सेहत को लेकर उनके परिवार से संपर्क किया और उनकी जल्द स्वस्थ होने की कामना की। गिरिजा व्यास कांग्रेस पार्टी में एक प्रमुख और सम्मानित नेता रही हैं। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। वे दो बार राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष भी रही हैं और कांग्रेस की प्रदेशाध्यक्ष के रूप में भी उन्होंने अपनी अहम भूमिका निभाई। गिरिजा व्यास ने 1985 से 1990 तक राजस्थान विधानसभा में विधायक के रूप में कार्य किया और 1991 में पहली बार सांसद चुनी गईं। गिरिजा व्यास का योगदान कांग्रेस पार्टी के प्रचार और मीडिया में भी उल्लेखनीय रहा है।

खान विभाग ने सर्वाधिक राजस्व संग्रहण का बनाया नया कीर्तिमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य के खान विभाग ने वर्ष 2024-25 में 9202 करोड़ 50 लाख रु. का राजस्व अर्जित कर ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है। प्रमुख शासन सचिव खान एवं भूविज्ञान टी. रविकान्त ने यह जानकारी देते हुए बताया कि आरंभिक आंकड़ों के अनुसार खान विभाग ने 23.35 फीसदी की विकास दर के साथ गत वित्तीय वर्ष से 1742 करोड़ 02 लाख रुपए अधिक राजस्व संग्रहित किया है।

उन्होंने बताया कि यह खान विभाग के इतिहास में किसी एक वित्तीय वर्ष का अब तक का सर्वाधिक राजस्व संग्रहण है। प्रमुख सचिव खान टी. रविकान्त ने बताया कि राज्य के खान विभाग ने प्रबंधकीय दक्षता व समन्वित प्रयासों का परिचय देते हुए वित्तीय वर्ष 2024-25 में राजस्व संग्रहण सहित माइनिंग के सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय ऐतिहासिक प्रगति दर्ज की है। राज्य में इसी वित्तीय वर्ष में सर्वाधिक प्रधान व अप्रधान खनिज ब्लॉकों व प्लाटों की नीलामी, नई खनिज नीति, नई एम-सेंड नीति के साथ ही राइजिंग राजस्थान के दौरान खनिज क्षेत्र में निवेश करार हुए हैं। व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के साथ ही सरलीकरण किया गया है। उन्होंने बताया कि गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में खान विभाग द्वारा 7460 करोड़ 48 लाख रुपए का राजस्व संग्रहित किया गया था। रविकान्त ने बताया कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा जो स्वंय खान मंत्री भी है के नेतृत्व व मार्गदर्शन में खान विभाग योजनावद्ध तरीके से आगे बढ़ रहा है। मिनरल ब्लॉकों की नीलामी में राजस्थान देष में पहले पायदान पर आ गया है वहीं अब राजस्व विकास दर में भी संभवतः राजस्थान देश में पहले स्थान पर आ गया है।

मुलाकात

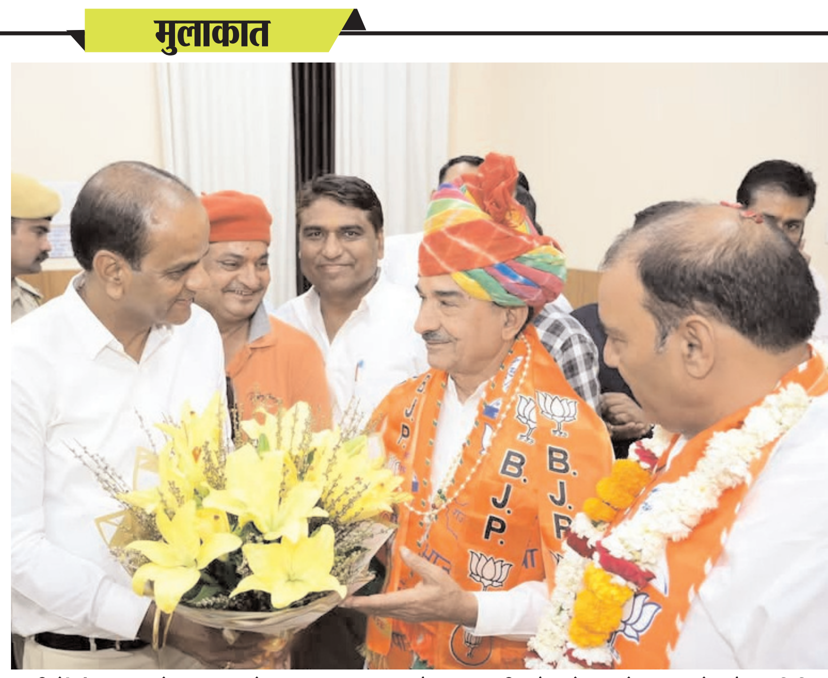

पाली में मंगलवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड का पाली और जोधपुर के प्रवास के दौरान विभिन्न स्थानों पर पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं आमजन से मुलाकात कर उनका अभिवादन स्वीकार किया।

बाड़मेर पुलिस ने इनामी आरोपी की बाजार में करवाई पैदल परेड

बाड़मेर। मारपीट के मामले में गिरफ्तार एक इनामी आरोपी की बाड़मेर पुलिस ने मंगलवार को बाजार में पैदल परेड करवाई। आरोपी को पैदल चलते हुए देखकर बाजार में लोग इकट्ठा हो गए। पुलिस ने इस परेड के जरिए यह स्पष्ट संदेश दिया कि वह अपराधियों को किसी भी हालत में बख्शने वाली नहीं है। दरअसल, छह महीने पहले बाड़मेर शहर के चौहटन रोड फाटक ओवरब्रिज पर दिन-दहाड़े एक युवक पर अज्ञात लोगों ने जानलेवा हमला किया था। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस वारदात का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच पड़ताल शुरू की और आरोपियों की तलाश के लिए अलग-अलग टीमों का गठन किया।

कांग्रेस जिस रास्ते पर जा चुकी है, मुझे नहीं लगता कि उसके पनपने की कोई संभावना बची है : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस अपने मूल से भटक चुकी है, अपने मूल्यों से भटक चुकी है और अपने अस्तित्व के संकट का सामना कर रही है, और वह अपना मृत्यु प्रमाणपत्र स्वयं लिखने की ओर अग्रसर है।

योगी आदित्यनाथ ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि कांग्रेस ने जो रास्ता अपनाया है, उसे देखते हुए देश में उसके बढ़ने या पनपने की कोई संभावना नहीं है और लोग अब उसका समर्थन नहीं कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि राजग एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्रीय और नीतीश कुमार के राज्य नेतृत्व में बिहार विधानसभा चुनाव जीतेगा। मुख्यमंत्री ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''कांग्रेस जिस रास्ते पर जा चुकी है। मुझे नहीं लगता कि उसके आगे पनपने या बढ़ने की कोई संभावना बची हुई है। अपने मूल से जब कोई भटक जाता है, अपने मूल्यों से जब कोई भटक जाता है तो उसके सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो जाता है, और इसका सबसे बड़ा उदाहरण कांग्रेस (के रूप में) आपके सामने है।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपना मृत्यु प्रमाण पत्र लिखने की ओर बढ़ चुकी है। देश की आजादी की लड़ाई के दौरान देश की जनता ने कांग्रेस को 'भारत की आत्मा' के रूप में माना और स्वतंत्र भारत में इन्होंने (लोगों की भावनाओं के साथ) खिलवाड़ करना शुरू किया।

यह पूछे जाने पर कि कांग्रेस की मौजूदा स्थिति के लिये कौन जिम्मेदार है, उप्र के मुख्यमंत्री ने कहा, ''(कांग्रेस की इस स्थिति के लिये) राहुल गांधी भी (जिम्मेदार) हैं और कांग्रेस के अन्य लोग भी (जिम्मेदार) हैं, जो कांग्रेस की नीतियों को तय करते हैं और कांग्रेस का एजेंडा निर्धारित करते हैं।'' योगी ने आरोप लगाया कि बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान में इन्होंने पहला संशोधन 'मीडिया का गला घोंटने' को लेकर किया। उन्होंने कहा, ''फिर कश्मीर में अनुच्छेद 370 को जबरन घुसेड़ करके किया। फिर लगातार देश के अंदर ऐसे कार्य करते रहे और फिर 1976 आते आते श्रीमती इंदिरा गांधी जी ने संविधान का गला ही घोंटने का काम किया था। ये आज लगातार उसी दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इसने (कांग्रेस ने) मुद्दों के समाधान के बजाए, समस्याएं देश को ज्यादा दी हैं।''

राजनीति मेरे लिए 'फुल टाइम जॉब' नहीं, मैं असल में योगी हूं : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विजय जोशी

लखनऊ/भाषा। खरी खरी बोलने वाले और हमेशा अपने विचारों को लेकर मुखर उत्तर प्रदेश के संन्यासी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुसलमानों के लिए एक स्पष्ट संदेश दिया है: आपको राज्य के विकास में उचित हिस्सा मिलेगा, लेकिन सिर्फ इसलिए विशेष रियायतों की उम्मीद न करें कि आप अल्पसंख्यक हैं।

इसका मतलब साफ है कि आप सड़कों पर नमाज नहीं पढ़ सकते, या कोई अवैध गतिविधि नहीं कर सकते। अगर आप ऐसा करते हैं, तो ''बुलडोजर न्याय'' का सामना करने के लिए तैयार रहें। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक विशेष साक्षात्कार के दौरान वक्फ (संशोधन) विधेयक के आलोचकों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड स्वार्थी हितों के साथ-साथ ''लूट खसोट'' के अड्डा बन गए हैं और इन्होंने मुसलमानों के कल्याण के लिए बहुत कम काम किया है। साक्षात्कार में उन्होंने देश में अपनी बढ़ती लोकप्रियता, आरएसएस (जिसके वह कभी सदस्य नहीं रहे) के साथ अपने संबंधों, कुछ केंद्रीय नेताओं के साथ उनकी कथित अनबन, प्रधानमंत्री बनने की उनकी महत्वाकांक्षा, राष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी और कांग्रेस पार्टी के भविष्य के बारे में भी बात की।

आदित्यनाथ ने संभावित प्रधानमंत्री के रूप में उनके प्रति बढ़ते समर्थन के बारे में पूछे जाने पर कहा, ''राजनीति मेरे लिए एक 'फुल टाइम जॉब' नहीं है। इस समय मैं यहां काम कर रहा हूं लेकिन वास्तविकता में मैं हूं तो एक योगी ही।'' यह पूछे जाने पर कि उनकी राजनीति में कब तक बने रहने की योजना है, मुख्यमंत्री ने कहा, ''इसकी भी एक समयसीमा होगी।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका प्राथमिक काम उत्तर प्रदेश के लोगों की सेवा करना है जो उनकी पार्टी ने उन्हें सौंपा है। उन्होंने कहा, ''मैं उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री हूं और पार्टी ने मुझे राज्य के लोगों की सेवा करने के लिए यहां रखा है।''

योगी आदित्यनाथ हिंदुत्व को लेकर अपने कट्टर विचारों और अपराधियों के खिलाफ सख्त प्रशासक की छवि के कारण भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सबसे लोकप्रिय नेताओं में से एक बनकर उभरे हैं। उन्होंने मुसलमानों के खिलाफ भेदभाव को लेकर आलोचनाओं को खारिज किया। उन्होंने कहा कि राज्य की आबादी में मुसलमानों की संख्या 20 प्रतिशत है लेकिन सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों में उनकी हिस्सेदारी 35 से 40 प्रतिशत है।

आदित्यनाथ ने कहा कि वह न तो भेदभाव में विश्वास करते हैं और न ही तुष्टीकरण में। मेरठ में सड़कों पर नमाज अदा करने के खिलाफ उनके प्रशासन द्वारा दी गई चेतावनी पर उठे विवाद के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने सरकार के कदम का दृढ़ता से बचाव करते हुए कहा कि इसमें कुछ भी गलत नहीं है। उन्होंने कहा, ''सड़क चलने के लिए होती है और जो लोग (इस फैसले के खिलाफ) बोल रहे हैं उन्हें हिंदुओं से अनुशासन सीखना चाहिए। कुल 66 करोड़ लोग प्रयागराज में (महाकुंभ में) आए। कहीं कोई लूटपाट नहीं, कहीं कोई आगजनी नहीं, कहीं कोई छेड़खानी नहीं, कहीं कोई तोड़फोड़ नहीं, कहीं कोई अपहरण नहीं, यह होता है अनुशासन...यह है धार्मिक अनुशासन...अगर आपको सुविधा चाहिए तो उस अनुशासन को भी मानना सीखिए।''

वक्फ (संशोधन) विधेयक के आलोचकों को निशाने पर लेते हुए उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड स्वार्थी हितों के साथ-साथ ''लूट खसोट'' के अड्डा बन गए हैं और इन्होंने मुसलमानों के कल्याण के लिए बहुत कम काम किया है।

हर सांसद की सुरक्षा महत्वपूर्ण: रामजी लाल सुमन को मिली धमकियों पर धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सपा सदस्य रामजी लाल सुमन को मिली धमकियों का मुद्दा मंगलवार को राज्यसभा में उठा और सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि हर सांसद की सुरक्षा महत्वपूर्ण है।

समाजवादी पार्टी के सदस्य रामगोपाल यादव ने राणा सांगा के बारे में सदन में की गई टिप्पणी को लेकर रामजी लाल सुमन को मिली धमकियों के बाद उनकी सुरक्षा पर चिंता जताई थी।

सभापति धनखड़ ने यादव से आग्रह किया कि वह सुमन पर अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए मामले को शांत कराएं और उन टिप्पणियों को नहीं दोहराएं जिन्हें संसद के रिकॉर्ड से पहले ही हटा दिया गया है। सुमन ने पिछले दिनों उच्च सदन में राणा सांगा के खिलाफ कुछ टिप्पणियां की थीं, जिस पर सदन में सत्ता पक्ष के सदस्यों ने आपत्ति जताई थी और सभापति ने उनकी उस टिप्पणी को कार्यवाही से हटा दिया था। उनकी टिप्पणी समाज के एक वर्ग को पसंद नहीं आई थी और उन्हें कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा था। सुबह, उच्च सदन में शून्यकाल के दौरान सपा नेता यादव ने सुमन को मिली धमकियों के बाद उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता जतायी थी।

यादव ने कहा कि उन्होंने मंगलवार को यह मुद्दा उठाने के लिए शुक्रवार को एक नोटिस दिया था। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति ने रामजी लाल सुमन की जान लेने पर 25 लाख रुपये का इनाम घोषित किया है। यादव ने कहा, ''मैं उनकी सुरक्षा के बारे में बात करना चाहता हूं।'' विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने भी इस मुद्दे का जिक्र किया और आश्चर्य जताया कि अगर यादव जैसे वरिष्ठ सदस्य किसी सांसद की सुरक्षा का मुद्दा उठाने की कोशिश कर रहे हैं तो सत्ता पक्ष को इससे क्या परेशानी है। धनखड़ ने कहा कि प्रत्येक नागरिक के साथ-साथ सांसदों की सुरक्षा महत्वपूर्ण है और संबंधित लोग सभी कदम उठाएंगे। उन्होंने सुमन की टिप्पणियों का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा, ''पिछली बार मेरे लिए यह बताना दुखद था कि जब कोई माननीय सदस्य भावनाओं में बहकर शिष्टाचार का उल्लंघन करते हैं तो सुधार की व्यवस्था होती है। माननीय सदस्य द्वारा की गई टिप्पणियों को हटा दिया गया क्योंकि उससे एक महान धरतीपुत्र की देशभक्ति को ठेस लगी।'' सभापति ने कहा कि जब टिप्पणियों को हटा दिया गया हो तो सदस्य उन्हें नहीं दोहराए। धनखड़ ने कहा, ''जो कुछ हुआ है, उसे बार-बार दोहराना – इस पर सदस्यों को विचार करने की आवश्यकता है। दूसरा, मुझे यकीन है कि प्रत्येक नागरिक और सदस्य की सुरक्षा महत्वपूर्ण है और संबंधित लोग इस दिशा में सभी कदम उठाएंगे।'' उन्होंने कहा कि उन्हें नियम 267 के तहत कुल 12 नोटिस मिले हैं जिन्हें उन्होंने स्वीकार नहीं किया है। ये नोटिस निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मतदाता पहचान पत्रों में कथित चूक, फिल्म 'एल2: एम्पुरान' को लेकर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कथित खतरा और मनरेगा के तहत लंबित मजदूरी

बिहार के विकास में भाजपा के योगदान पर तेजस्वी ने अमित शाह को बहस की चुनौती दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने बिहार के विकास में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के योगदान पर मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को बहस के लिए चुनौती दी।पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी ने पटना में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए शाह पर आरोप लगाया कि केंद्रीय मंत्री ने दो दिन पहले गोपालगंज में एक रैली को संबोधित करते हुए उनके पिता लालू प्रसाद यादव को निशाना बनाया था।

तेजस्वी ने कहा, ''अमित शाह, लालू जी को छोड़ दें और मुझसे बात करें। मैं उनके साथ सार्वजनिक बहस के लिए तैयार हूं, वह समय और स्थान तय करें।'' तेजस्वी ने दावा किया कि उनके पिता लालू यादव के शासनकाल में बिहार को जो केंद्रीय सहायता मिली थी, वह मौजूदा सरकार की मदद से कहीं अधिक थी। तेजस्वी ने कहा, ''शाह ने दावा किया था कि बिहार में माता सीता का मंदिर बनाया जाएगा जबकि उन्हें नहीं पता कि मंदिर पहले से ही बना हुआ है। जब मैं प्रदेश सरकार में शामिल था, तो इस मंदिर के सौंदर्यीकरण के लिए धन स्वीकृत किया गया था।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''शाह का बिहार दौरा इस वर्ष के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में पार्टी के शीर्ष नेताओं के लगातार दौरे किये जाने की भाजपा की रणनीति का हिस्सा था। मैंने दिल्ली चुनाव खत्म होने के तुरंत बाद इसकी भविष्यवाणी की थी। केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा से मंजूरी मिलते ही निर्वाचन आयोग ने बिहार में चुनाव की घोषणा कर दी।''

तेजस्वी ने कहा, ''अमित शाह को तथ्यों की कोई परवाह नहीं है। परिवारवाद को लेकर हम पर उंगली उठाते हुए। वह (शाह) चिराग पासवान और जीतन राम मांझी जैसे अपने सहयोगियों के बारे में क्यों नहीं बोलते।'' राजद नेता ने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नीतीश

कुमार के अलावा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सभी सहयोगी पासवान और मांझी 'वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध होने का दिखावा करते हैं' लेकिन वक्फ विधेयक पर कोई रुख अपनाने में अनिच्छुक हैं। उन्होंने केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को उनके दिवंगत पिता रामविलास पासवान की भी याद दिलाई, जिन्होंने 'गुजरात दंगों के विरोध में अटल बिहारी वाजपेयी मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था और उनके पिता (लालू यादव) के साथ ट्रेन से पाकिस्तान की यात्रा की थी'।

तेजस्वी ने कहा, ''जब लोकसभा में वक्फ विधेयक लाया जाएगा तो हम पूरी ताकत से इसका विरोध करेंगे।'' तेजस्वी ने पिछले सप्ताह यहां 'ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड' द्वारा आयोजित प्रदर्शन में अपने और पिता के 'बीमार होने के बावजूद' मौजूदगी का जिक्र किया। प्रधानमंत्री मोदी मधुबनी का दौरा करने वाले हैं, जिससे पहले राजद द्वारा एक 'समीक्षा बैठक'' की तस्वीर साझा की गयी है और इसे नीतीश कुमार के लिए 'एक्जिट प्लान' करार दिया गया है। इस बैठक में भाजपा के वरिष्ठ नेता व उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और केंद्रीय मंत्री व जदयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन मौजूद थे। तेजस्वी ने कहा, यह एक ऐसा मुद्दा है जिसे उठाया जाना चाहिए। हमने पहले ऐसी बैठक नहीं देखी, जिसमें मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक भी मौजूद हों और जिसकी अध्यक्षता मुख्यमंत्री के अलावा कोई और व्यक्ति कर रहा हो। उन्होंने कहा, ''हम अब ललन को भाजपा का व्यक्ति मानते हैं। अपनी कुर्सी की खातिर वह शाह के निर्देशानुसार काम कर रहे हैं। हम नीतीश कुमार के भविष्य को लेकर चिंतित हैं।''

भारतीय विदेश नीति का कमजोर होना दुर्भाग्यपूर्ण : गौरव गोगोई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गौरव गोगोई ने मंगलवार को कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश की विदेश नीति इस हद तक 'कमजोर' हो गई है कि भारत की मदद से स्वतंत्रता हासिल करने वाला बांग्लादेश भी उसके (भारत के) खिलाफ हो गया है।

लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गोगोई बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के उस बयान पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिसमें उन्होंने अपने देश को इस क्षेत्र में 'महासागर का एकमात्र संरक्षक' बताया था।

यूनुस ने चीन से बांग्लादेश में अपना आर्थिक प्रभाव बढ़ाने का आग्रह किया, जिसमें उन्होंने उल्लेख किया कि भारत के पूर्वोत्तर राज्यों का भूमि से घिरा होना एक अवसर साबित हो सकता है।

असम के जोरहाट से सांसद गोगोई ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारत की विदेश नीति इस हद तक कमजोर हो गई है कि जिस देश की आजादी का भारत ने सक्रिय रूप से समर्थन किया था, वह भी अब रणनीतिक विरोध की ओर झुक रहा है।'' उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में बांग्लादेश के राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर दोनों देशों के बीच 'मजबूत संबंधों' पर प्रकाश डालते हुए पत्र लिखा था। उसके बाद पूर्वोत्तर भारत और चीन के बारे में मुहम्मद यूनुस की हालिया टिप्पणियां बेहद चिंताजनक और अस्वीकार्य हैं, क्योंकि वे भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को कमजोर करती हैं।'' यूनुस ने यह टिप्पणी हाल ही में चीन की अपनी चार दिवसीय यात्रा के दौरान की थी। इसका एक वीडियो सोमवार को सोशल मीडिया पर सामने आया। उन्होंने कहा, ''भारत के सात राज्य (भारत का पूर्वी भाग) 'सेवन सिस्टर्स' कहलाते हैं। वे भारत के चारों ओर से भूमि से घिरे हुए क्षेत्र हैं। उनके पास समुद्र तक पहुंचने का कोई रास्ता नहीं है।''

पूर्वोत्तर के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेताओं ने इस बयान की निंदा करते हुए इसे 'आक्रामक और भड़काऊ' बताया।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 'चिकन नेक' से इतर पूर्वोत्तर को शेष भारत से जोड़ने वाले वैकल्पिक मार्गों की खोज को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, ''बांग्लादेश की तथाकथित अंतरिम सरकार के मोहम्मद यूनुस द्वारा दिया गया बयान, जिसमें उन्होंने पूर्वोत्तर भारत के सात राज्यों को भूमि से घिरा हुआ बताते हुए बांग्लादेश को उनके समुद्री पहुंच के संरक्षक के रूप में पेश किया है, अपमानजनक और कड़ी निंदा के योग्य है।''

मणिपुर में पीएम-किसान योजना में कुछ अनियमितताएं सामने आईं: केंद्र

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने एक ऑडिट रिपोर्ट के हवाले से मंगलवार को कहा कि मणिपुर में 'पीएम-किसान' योजना के कार्यान्वयन में कुछ 'अनियमितताएं' सामने आई हैं और राज्य सरकार ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई है। कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने कहा कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अपात्र किसानों को हस्तांतरित की गई किसी भी राशि की वसूली करने का आदेश दिया गया है।

मंत्री ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा, ''मणिपुर सरकार से प्राप्त जानकारी के अनुसार, महालेखाकार (एजी) की ऑडिट रिपोर्ट में कुछ अनियमितताओं की सूचना दी गई थी। तदनुसार, सरकार ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई है।'' फरवरी 2019 में शुरू की गई 'पीएम-किसान' योजना एक केंद्रीय योजना है, जिसका उद्देश्य खेती-योग्य भूमि के मालिकों की वित्तीय जरूरतों को पूरा करना है। इस योजना के तहत, किसानों के आधार से जुड़े बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से तीन समान किस्तों में प्रति वर्ष 6,000 रुपये का वित्तीय लाभ हस्तांतरित किया जाता है।

नफरती भाषणों से निपटने के लिए मौजूदा नियामक तंत्र अपर्याप्त : राजद सांसद झा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल के सांसद मनोज कुमार झा ने मंगलवार को राज्यसभा में कहा कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग और राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग जैसे मौजूदा नियामक तंत्र देश में नफरत फैलाने वाले भाषणों और कृत्यों से निपटने के लिए अपर्याप्त हो गए हैं।

राजद सदस्य ने विभिन्न समुदायों के बीच दुश्मनी पैदा करने वाले नफरती भाषणों और कृत्यों की बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी चीजें कुछ लोगों को प्रसिद्धि दिला रही हैं और नफरत को सामान्य बात बना दिया गया है। उच्च सदन में शून्यकाल के

दौरान झा ने संयुक्त राष्ट्र के एक पूर्व महासचिव की टिप्पणी का जिक्र करते हुए कहा कि नफरत के कारण ही गैस चैंबर (जर्मनी में नाजी शासनकाल में यहूदियों के नरसंहार के लिए) बना।

बोस्निया, कंबोडिया जैसे देशों का नाम लेते हुए उन्होंने कहा, मैं अपने देश को इस सूची में नहीं देखना चाहता। उन्होंने कहा कि आज की वास्तविकता यह है कि लोग चाहते हैं कि त्योहार बिना किसी त्रासदी के, शांतिपूर्ण तरीके से बीत जाए।

शून्यकाल में ही कांग्रेस सदस्य रजनी पाटिल ने महानगरों में शिक्षा पर बढ़ते खर्च और सरकारी स्कूलों की खराब स्थिति पर चिंता जताई और शिक्षा को अधिक समावेशी बनाने के लिए शिक्षा का अधिकार कानून के तहत ''आथिक रूप से कमजोर'' वर्गों से संबंधित प्रावधान लागू करने की मांग की। उन्होंने कुछ सर्वेक्षणों का हवाला देते हुए कहा कि अभिभावक प्रारंभिक शिक्षा में औसतन 40,000 रुपये से दो लाख रुपये सालाना खर्च करते हैं तथा यह खर्च और बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों का उद्देश्य सस्ती शिक्षा प्रदान करना था, लेकिन वे अपने उद्देश्य में विफल हो रहे हैं।

ओलंपिक पदक नहीं जीतने की कसक हमेशा रहेगी: अंतरराष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कहने के बाद वंदना कटारिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सौमोज्योति एस चौधरी

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय हॉकी खिलाड़ी वंदना कटारिया के लिए समाज की रूढ़िवादी सोच और जातिवाद से जूझना कभी आसान नहीं था लेकिन दिवंगत पिता के समर्थन से वह भारत की सबसे बेहतरीन महिला हॉकी खिलाड़ियों में से एक बनने के साथ वह अपने गांव की लड़कियों को भी इस खेल को अपनाने के लिए प्रेरित करने में सफल रही।

वंदना को सबसे बड़ी निराशा ओलंपिक पदक जीतने से चूकने की है लेकिन वह देश की सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली महिला खिलाड़ी बन कर उभरी। इस 32 साल की खिलाड़ी ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कह दिया। उन्होंने भारत के लिए 320 मैचों में 158 गोल किये।

वंदना को हालांकि हॉकी मैदान के बाहर भी कई तरह की चुनौतियों से निपटना पड़ा।

तोक्यो ओलंपिक खेलों के दौरान सेमीफाइनल में भारत के अर्जेंटीना से हारने के बाद विजय पाल नामक एक व्यक्ति और उसके दोस्तों ने वंदना के घर के बाहर हंगामा किया और उसके परिवार के सदस्यों को 'दलित' समुदाय से होने के कारण जाति सूचक गालियां दी। वंदना ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास की घोषणा करने के बाद 'पीटीआई' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ''जब मैंने रोशनाबाद (हरिद्वार में) से हॉकी शुरू की तो ऐसी मानसिकता थी कि लड़कियां घर से बाहर नहीं जा सकतीं, करियर में कुछ नहीं कर सकतीं। हमारे पड़ोसी और रिश्तेदार मेरे पिता से कहते थे कि आप उसे बाहर क्यों भेज रहे हैं लेकिन उन्होंने कभी उन लोगों की बात पर ध्यान नहीं दिया और मेरा समर्थन किया, इसलिए वे मेरी प्रेरणा थे।''

उन्होंने कहा, ''यह वास्तव में एक संघर्ष था, कई बार मैंने हार मानने के बारे में सोचा लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया और उन आलोचकों को जवाब देने में कामयाब रही। अब मेरे गांव से बहुत सारे खिलाड़ी हॉकी खेल रहे हैं और वहां एक एस्ट्रो-टर्फ भी है।''

अग्रिम पंक्ति की इस खिलाड़ी ने कहा, ''मेरे पिता हमेशा मेरे साथ थे, उन्होंने हर स्थिति का सामना किया। वह मेरा सबसे बड़ा सहारा थे। तोक्यो ओलंपिक से ठीक पहले उनका निधन हो गया और यह मेरे लिए वास्तव में कठिन समय था। मैं भी चोट से उबर रही थी लेकिन मेरा हॉकी परिवार हमेशा मेरे साथ खड़ा रहा।''

2022 से 2025 तक खेल काफी बदल गया है, मैं इसका आदी हो रहा हूं : प्रसिद्ध कृष्णा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलुरू/भाषा। चोटों के कारण 2022 से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से दूर रहने के लिए मजबूर होने के बाद गुजरात टाइटन्स (जीटी) के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा धीरे धीरे खेल की गति के अभ्यस्त हो रहे हैं।

जीटी के साथ अनुबंध के जरिए लीग में लौटे प्रसिद्ध ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 41 रन लुटाए जो तीन साल बाद टूर्नामेंट में उनका पहला मैच था। हालांकि, कर्नाटक के इस खिलाड़ी ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए चार ओवर में 18 रन देकर दो विकेट का स्पैल डाला। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर प्रसिद्ध ने कहा, ''जितना मैं खुद को यह बताने की कोशिश कर रहा हूं कि यह सिर्फ एक और टूर्नामेंट है, सिर्फ एक और मैच है, उतना ही मुझे लग रहा है कि मैं कुछ साल के बाद आ रहा हूं। विशेषकर पिछले दो साल में मैंने बहुत अधिक टी20 मैच नहीं खेले हैं और 2022 से 2025 तक खेल की गति बदल गई है।'' इस 29 वर्षीय खिलाड़ी ने स्वीकार किया कि यह थोड़ा समय लेने वाली प्रक्रिया है। उन्होंने कहा, ''इसमें कुछ समय लगेगा। खेल आगे बढ़ता रहता है और आपको खेल के अनुसार बने रहना होता है। शारीरिक रूप से मेरे लिए बहुत कुछ नहीं बदला है क्योंकि शुक्र है कि मैं अब कुछ क्रिकेट खेल रहा हूं और शरीर मुझे खेलने दे रहा है जो मैं करना चाहता हूं।'' उन्होंने कहा कि उन्हें वापसी में टीम में आशीष नेहरा जैसे समझदार कोच के साथ काम करने का सौभाग्य मिला है। प्रसिद्ध ने कहा, ''इतने लंबे समय तक खेलने के बाद मुझे लगता है कि मेरे लिए उनका रास्ता चुनना वाकई महत्वपूर्ण है। एक गेंदबाज के तौर पर आप जो फैसले लेते हैं, आप किस तरह की तैयारी के साथ खेल में उतरते हैं, हमारे बीच बातचीत इसी तरह की रही है।'' उन्होंने कहा, ''जब आप किसी चुनौती का सामना कर रहे होते हैं तो आप क्या करते हैं, परिस्थितियों और दबाव को संभालते हो। इसलिए ये वो चीजें हैं जिनके बारे में वह मुझसे बात करते रहे हैं।''

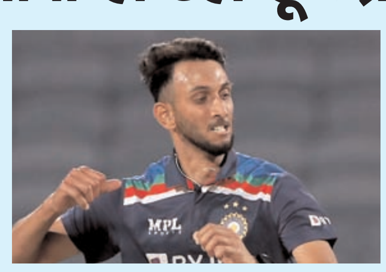

प्रसिद्ध ने कहा कि टाइटन्स ग्रुप में कागिसो रबाडा, राशिद खान जैसे शीर्ष तेज गेंदबाजों के साथ काम करना उनके लिए सीखने का एक बेहतरीन अनुभव था। उन्होंने कहा, ''आईपीएल के बारे में यह एक अच्छी बात है। हमारी टीम में कई बेहतरीन गेंदबाज हैं। हमारे पास कई युवा खिलाड़ी हैं जिनमें काफी संभावनाएं हैं। इसलिए जब भी हम नेट सत्र में उतरते हैं तो हमारे पास देखने और एक-दूसरे से सीखने के लिए बहुत कुछ होता है।'' प्रसिद्ध ने शुभमन गिल की प्रशंसा करते हुए कहा, ''गिल जैसे किसी व्यक्ति के होने का फायदा यह है कि आप उनके पास जा सकते हैं और उनसे पूछ सकते हैं कि आपको क्या लगता है कि इस पिच पर गेंदबाजी करने के लिए कौन सी 'लाइन एंव लेंथ' बेहतर है? आप क्या करेंगे? इसलिए गिल और हर दूसरे अनुभवी खिलाड़ी का साथ होना अच्छा है।''

सुविचार

मैंने स्वप्न देखा कि जीवन आनंद है। मैं जागा और पाया कि जीवन सेवा है। मैंने सेवा की और पाया कि सेवा में ही आनंद है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

समय का सदुपयोग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम की ताज़ा कड़ी में समय के सदुपयोग के लिए जो सुझाव दिए, वे अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। इस समय बच्चों की परीक्षाएं हो चुकी हैं। कुछ दिनों बाद गर्मी की छुट्टियां शुरू हो जाएंगी। बच्चों को उनका बेसब्री से इंतजार रहता है। अगर उस अवधि में बच्चों को कोई खास कौशल सिखा दिया जाए तो वह उनके लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है। प्राय: गर्मी की छुट्टियों को लेकर उत्साह हफ्तेभर ही रहता है। अगर उसके बाद करने के लिए कोई 'काम' न हो तो ऊब महसूस होने लगती है। परिवार में माता-पिता और बड़ों को चाहिए कि वे छुट्टियों की संपूर्ण अवधि की पहले ही योजना बना लें, जिससे बच्चों को कुछ अच्छा सीखने को मिले और उनके व्यक्तित्व का विकास हो। ऐसा न हो कि वे दिनभर मोबाइल फोन और टीवी में ही लगे रहें। गर्मी की छुट्टियों के कुछ आकर्षण होते हैं- कहीं घूमने जाना, अपने गांव या ननिहाल चले जाना, करीबी रिश्तेदारों से मिलना, स्वादिष्ट पकवान बनाना और खाना। प्राय: कई बच्चे छुट्टियों में किताबों की ओर मुड़कर भी नहीं देखते। पढ़ाई से पूरी तरह दूरी बना लेना उचित नहीं है। यह आदत उस समय मुश्किलें खड़ी करती है, जब अगली कक्षा की पढ़ाई शुरू करते हैं। ऐसा देखने को मिलता है कि वे बच्चे पिछली कक्षा में पढ़ी गईं कई बातें याद नहीं रख पाते। उनकी लिखावट बिगड़ जाती है। छुट्टियों के लिए नियम बना लें कि रोज़ाना आधा या एक घंटा कोई रोचक किताब पढ़ेंगे। साथ ही, हफ्ते में दो या तीन दिन कुछ-न-कुछ लिखेंगे। इससे भविष्य में परेशानी नहीं होगी।

गर्मी का मौसम आते ही पेयजल संकट की खबरें खूब आने लगती हैं। कहीं मटके फोड़कर प्रदर्शन किए जाते हैं, कहीं लोग शिकायत करते हैं कि जमीन में पानी बहुत नीचे चला गया। इसके बाद जैसे ही मानसून आता है, नालियां भर जाती हैं, सड़कें दरिया बन जाती हैं। ऐसे हालात पैदा न हों, इसके लिए हमें पहले ही तैयारी कर लेनी चाहिए। सबसे पहले तो अपने घरों की छतों की सफाई करें। ग़ैर-ज़रूरी चीजें, कचरा और कबाड़ हटा दें। बाजार में ऐसे पाइप बहुत आसानी से मिल जाते हैं, जिन्हें छतों के नालों से जोड़कर भविष्य में वर्षाजल को इकट्ठा किया जा सकता है। यही नहीं, सोशल मीडिया पर ऐसे हजारों वीडियो मौजूद हैं, जिन्हें देखकर अपने घर की दीवारों और छतों पर सब्जियां उगाई जा सकती हैं। अपनी इस 'उपलब्धि' की तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट करने से अन्य लोगों को प्रेरणा मिलेगी। अपने घर के साथ आस-पास के इलाके का ध्यान रखना भी हमारी जिम्मेदारी है। छुट्टियों में अपने दोस्तों के साथ मिलकर मोहल्ले में सफाई अभियान चलाया जा सकता है, पुराने जलस्रोतों का कायाकल्प किया जा सकता है। ऐसे अभियानों से बड़े और अनुभवी लोगों को जरूर जोड़ना चाहिए। उनके मार्गदर्शन में काम करेंगे तो बेहतर नतीजे मिलेंगे। कर्नाटक के गडग जिले के दो गांवों की झीलें पूरी तरह सूख गई थीं। वहां पशुओं के पीने के लिए पानी नहीं बचा था। ग्रामीणों ने उन झीलों की सफाई कर उन्हें 'पुनर्जीवित' कर दिया। इन ग्रामीणों ने साबित कर दिया कि अगर हम ठान लें तो कुछ भी असंभव नहीं है। प्रधानमंत्री ने इनकी सराहना की है। गर्मियों में बाजार में बिकने वाले रसायनयुक्त शीतल पेय की ओर लोगों का रुझान बढ़ जाता है। इस बार संकल्प लें कि ऐसे हानिकारक पदार्थों के बजाय हमारे परंपरागत पेय को बढ़ावा देंगे। नींबू का पानी, पुदीने का शर्बत, गुड़ का शर्बत, सत्तू, छाछ, लस्सी आदि सेहत के लिए वरदान की तरह हैं। अगर इन्हें अपने खानपान में शामिल करेंगे तो देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। छुट्टियों का फायदा सेहत और अर्थव्यवस्था, दोनों को जरूर मिलना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

ब्यावर में एक फैक्ट्री के गोदाम हुई दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना की सूचना दु:खद एवं हृदयविदारक है। ईश्वर से दिवंगत पुण्यात्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान एवं घायलों को अतिशीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने की प्रार्थना है। मेरी गहन संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं।

-राज्यवर्धनसिंह राठौड़

आज राजस्थान सरकार ने सातवें वेतनमान के अंतर्गत राज्य कर्मचारियों/पेंशनर्स के महंगाई भत्ते में 2 प्रतिशत की वृद्धि को स्वीकृति प्रदान की है। इस निर्णय से राज्य कर्मचारियों एवं पेंशनर्स को 1 जनवरी 2025 से 55 प्रतिशत महंगाई भत्ता/महंगाई राहत देय होगी।

-दीया कुमारी

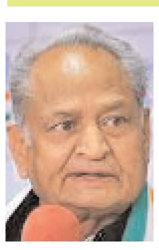

डॉ. गिरिजा व्यास जी के स्वास्थ्य को लेकर उनका इलाज कर रहे जायडस हॉस्पिटल, अहमदाबाद के प्लास्टिक सर्जन डॉ गिरीश अम्बलानी से बात हुई। उन्होंने बताया कि गिरिजा जी की जलने से गंभीर स्थिति हुई है परन्तु अभी उनकी हालत स्थिर है।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

सच्ची पितृ-भक्ति

महान संत रामचंद्र डोंगरे जी महाराज एक बार गुजरात के किसी नगर में श्रीमद्भागवत की कथा सुना रहे थे। एक युवक बड़ी तन्मयता से उनकी कथा सुन रहा था। लीला प्रसंगों को सुनकर उसकी आंखें नम हो जाती थीं। जैसे ही रात के सात बजते वह कथा बीच में छोड़कर घर लौट जाता। एक दिन वह कथा से पूर्व डोंगरे जी के दर्शनों के लिए आया। संत जी ने उससे पूछ लिया, बेटा तुम कथा बीच में छोड़कर क्यों चले जाते हो? युवक ने बताया कि महाराज मेरी माता जी का निधन हो चुका है। घर में पिताजी अकेले रहते हैं। उन्हें आंखों से दिखाई नहीं देता। दिन छिपते ही मैं घर पहुंचकर दिया जलाता हूं। उन्हें दवा देता हूं। अपने हाथ से उनके लिए भोजन तैयार करता हूं। जब तक सो नहीं जाते उनके चरण दबाता हूं। इसलिए पूरी कथा नहीं सुन पाता। डोंगरे जी उस अनूठे पितृभक्त के समक्ष नतमस्तक हो उठे। युवक को संकोच में देखकर बोले, 'मैं तो मातृ-पितृ भक्तों की कथा ही सुनाता हूं। तुम तो अपने हाथों से माता-पिता की सेवा करते हो।' यह कहते-कहते उन्होंने युवक के हाथों को अपने हाथों में ले लिया।

सामयिक

संघ-भाजपा में तालमेल से जुड़े सुखद संकेत

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के 25 साल बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय के अंगने में पहुंचकर संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार और दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) के स्मारक स्मृति मंदिर में श्रद्धांजलि दी, जिससे संघ एवं भाजपा के बीच एक नई तरह की ऊर्जामयी सोच एवं समझ विकसित हुई है। एक नई प्राणवान ऊर्जा का सूरज उगा है, नये संकल्पों को पंख लगे हैं। संघ के सौ वर्ष पूरे करने के ऐतिहासिक अवसर पर मोदी ने सही कहा कि संघ भारत की अमर संस्कृति का आधुनिक अक्षय वट है, जो निरंतर भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना को ऊर्जा प्रदान कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने 34 मिनट की संबोधन में देश के इतिहास, भक्ति आंदोलन, इसमें संतों की भूमिका, संघ की नि:स्वार्थ कार्य प्रणाली, देश के विकास, युवाओं में धर्म-संस्कृति, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, शिक्षा, भाषा और प्रयागराज महाकुंभ की चर्चा करते हुए जहां नये बन रहे भारत की बानगी प्रस्तुत की, वही संघ की उपयोगिता एवं महत्व को चार-चांद लगाये। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी की संघ के मुख्यालय की इस पहली यात्रा के गहरे निहितार्थ भी हैं तो दूरगामी परिदृश्य भी है। जो इस बात का संकेत है कि पिछले आम चुनाव के दौरान संघ व भाजपा के रिश्तों में जिस खटास को अनुभव किया गया था, वह संवाद, समझ, सकारात्मक सोच व संपर्क से दूर कर ली गई है। जो इस बात का भी संकेत है कि आने वाले वक्त में भाजपा व सरकार के अहम फैसलों में संघ की भूमिका बढ़ेगी, जिससे देश हिन्दू राष्ट्र के रूप में सशक्त होते हुए विश्व गुरु बनने के अपने संकल्प को पूरा कर सकेगा। वसुधैव कुटुम्बकम के भारत के उद्घोष को अधिक सार्थक करते हुए दुनिया के लिये एक रोशनी बनेगा।

यह सर्वविदित है कि मोदी भी संघ की पृष्ठभूमि से आते हैं। साथ ही वे संघ की रीति-नीतियों से भली-भांति परिचित हैं। लेकिन पिछले आम चुनाव के दौरान भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेताओं के कुछ अतिश्योक्तिपूर्ण एवं अहंकारी बयानों से भाजपा का कद संघ से बड़ा बताने की कोशिशें हुई थी, जिसके चलते संघ व भाजपा के रिश्तों में कुछ कसक एवं खटास देखी गई। जिसका असर लोकसभा चुनाव में चार सौ पार के लक्ष्य पर पड़ा, उसके मूल में संघ कार्यकर्ताओं की उदासीनता रही है। बाद में दोनों के रिश्ते सामान्य होने के बाद हरियाणा, महाराष्ट, छत्तीसगढ़ एवं दिल्ली के विधानसभा चुनाव में भाजपा को जो आशातीत सफलता हाथ लगी, कहा जा रहा था कि उसमें संघ कार्यकर्ताओं का समर्पण व सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण घटक रहा। अब संघ मुख्यालय में प्रधानमंत्री की यात्रा से यह तथ्य भी उजागर हुआ कि दोनों की रीतियों-नीतियों फिर से बेहतर तालमेल स्थापित हुआ है। इसका असर आने वाले दिनों में भाजपा अध्यक्ष के चुनाव में संघ की भूमिका को लेकर देखने को मिलेगा, ऐसा ही असर बदलते वक्त के साथ पार्टी के अन्य फैसलों पर भी नजर आ सकता है। आने वाले समय में भाजपा के लिये संघ का सहयोग पंजाब, केरल और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में अपनी जमीन मजबूत करने एवं जड़े जमाने में मील का पत्थर साबित होगा।

इन राज्यों में संघ अपनी आधार भूमि को विस्तार दे रहा है। यानी दोनों अब सामंजस्य, सहयोग व सहजता के साथ आगे बढ़ेंगे। अर्थात भाजपा अब अपने वैचारिक एवं ऊर्जा स्रोत के साथ बेहतर तालमेल करके चलना चाहेगी। मोदी की नागपुर यात्रा के अनेक शुभ संकेत देखे जा रहे हैं, इसको औरंगजेब, राणा सांगा, संभल विवाद के बीच हिन्दुत्व की राजनीति को नई धार देने की कोई योजना के साथ जोड़कर भी देखा जा रहा है, नरेन्द्र मोदी और संघ प्रमुख मोहन भागवत की इस मुलाकात को 2029 के चुनावों की कोई नई पटकथा तैयार करने की पृष्ठभूमि में भी देखा जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी के संघ मुख्यालय के दौरे पर जहां विपक्ष बौखला रहा है वहीं इस यात्रा ने संघ के भीतर भी कई लोगों को सुखद आश्चर्य में डाल दिया है। मोदी दीक्षाभूमि भी गए, जहां डॉ. बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर ने 1956 में अपने हजारों अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म अपनाया था। उन्होंने दीक्षाभूमि की सामाजिक न्याय और दलितों को सशक्त बनाने के प्रतीक के रूप में सराहना करते हुए डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के सपनों के भारत को साकार करने के लिए और भी अधिक मेहनत करने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहरा कर सबका दिल जीत लिया। मोदी की ओर से नागपुर में अपने संबोधन के दौरान संघ की भरपूर प्रशंसा को अपने वैचारिक मार्गदर्शक के प्रति भाजपा के रुख में आये बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। मोदी ने संघ की राष्ट्र निर्माण और विकास में रचनात्मक 'भूमिका' को रेखांकित करके अपनी 2047 तक विकसित भारत' की योजनाओं में संघ की भूमिका के महत्व को भी दर्शाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रयागराज में हाल ही में संपन्न महाकुंभ मेले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए भी स्वयंसेवकों को श्रेय दिया था। इसके अलावा, हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा सरकारी कर्मचारियों पर आरएसएस द्वारा की जाने वाली सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने पर लगाए गए प्रतिबंध को भी हटा दिया गया था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने जीवन-संकल्पों एवं विचार-ऊर्जा के जिस आंगन में आठ वर्ष की आयु में कदम रख कर जीने की कला सीखी। उस संघ से संस्कार ग्रहण कर ही उनके दिल में राष्ट्रभक्ति की ज्योति प्रज्ज्वलित हुई। उसी संघ के आंगन में नरेन्द्र मोदी के जाने पर अलग-अलग कयास लगाने एवं स्तरहीन राजनीति करने की जरूरत नहीं है। इस पर ज्यादा आश्चर्य भी जताने का कोई औचित्य इसलिये नहीं है कि कोई अपने घर, अपने संस्कार-भूमि एवं अपनी पवित्र पाठशाला में गया है। संघ उनकी राजनीति की आत्मा तो है ही, जीवन-संस्कारदाता भी है। उनका संघ से रिश्ता दशकों पुराना है। नरेन्द्र मोदी के साथ संघ भी हमेशा चट्टान की तरह खड़ा रहा है। खुद को संघ के प्रचारक मानने वाले मोदी समय-समय पर संघ की तारीफ करने में नहीं चूकते। हाल ही में तीन बड़े मौके आये जब मोदी ने अपने जीवन को सही मार्गदर्शन देने के लिए संघ का आभार जताया और इस सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठन की भरपूर प्रशंसा की। प्रधानमंत्री ने नागपुर में भी संघ को एक ऐसे संगठन के रूप में संदर्भित किया जिसने समर्पण और सेवा के उच्चतम सिद्धांतों को कायम रखा।

निश्चित ही संघ दुनिया का सबसे बड़ा स्वयंसेवी गैर-राजनीतिक संगठन है। हिन्दू धर्म एवं संस्कृति की रक्षा उसका मूल उद्देश्य है। संघ की स्थापना राष्ट्रवादी आंदोलन को एक मजबूत सांस्कृतिक आधार देने के लिए की गई थी। हमारी सदियों पुरानी प्राचीन सभ्यताएं जो धर्म, अहिंसा और भक्ति के सिद्धांतों पर आधारित थी उपनिवेशवाद के शोर में अपनी आवाज खो रही थी, हिन्दू समाज पर रह-रह की हमले हो रहे थे, हिन्दू एवं सनातन संस्कृति को सलक्ष्य कुचलने के प्रयास से हिन्दू समाज भयभीत था एवं लगातार कमजोर हो रहा था, इन जटिल स्थितियों में भारत के लोगों को एक सांस्कृतिक छत्र के नीचे एकजुट करने का प्रयास संघ ने प्रभावी ढंग किया और यह उन अभिजात्य लोगों को बहुत पसंद नहीं आया, जिन्होंने अपनी सांस्कृतिक पहचान को त्याग कर अपनी विदेशी शिक्षा और पश्चिमी मूल्यों के सम्पर्क में पश्चिम की नकल करने के पक्षमें थे। इन्हीं भारत विरोधी लोगों ने संघ पर तरह-तरह के प्रतिबंध भी लगाये, लेकिन उनके आरोप पूरी तरह निराधार पाये गये।

संघ अपनी सकारात्मक सोच, सेवा एवं समर्पण के बल पर निरन्तर आगे बढ़ता रहा। संघ का एक ही भाव था कि बतौर राष्ट्र भारत पुन: सशक्त स्थिति में आए जहां वह दुनिया का मार्ग दर्शन कर सके लेकिन इसके लिए पहले भारतीय समाज का रूपांतरण होना जरूरी था। समाज के रूपांतरण के लिएसंघ ने दैनिक शाखाओं के जरिए व्यक्ति निर्माण का काम शुरू किया था। संघ के स्वयं सेवक एवं 40 से अधिक परियोजनाएं जीवन के हर क्षेत्र में सेवा करके मां भारती की सेवा कर रहे हैं। कौन नहीं जानता कि 1947 में संघ के स्वयंसेवकों ने कश्मीर सीमा पर बगैर किसी प्रशिक्षण के पाकिस्तान सेना की गतिविधियों पर नजर रखी थी और पाकिस्तान से जान बचाकर आए शरणार्थियों के लिएशिविर लगाए, भोजन की व्यवस्था की थी। 1962 में भारत-चीन हमले के दौरान सैनिक आवाजाही मार्गों की यातायात व्यवस्था, रसद और आपूर्ति में मदद स्वयंसेवकों ने की थी। सेवा के साथ-साथ राष्ट्रीयता के मजबूत इरादों की तमाम चुनौतियों के बावजूद संघ लगातार विस्तार पाते हुए वृक्ष से वटवृक्ष बनने की ओर अग्रसर है।

नजरिया

शक्ति पूजा का पर्व है नवरात्रि

रमेश सर्राफ धमोरा
मोबाइल : 9414255034

नवरात्रि देवी दुर्गा के नौ अवतारों या स्वरूपों की पूजा करने का प्रसिद्ध त्योहार है। जिसे शक्ति या देवी के रूप में भी जाना जाता है। यह त्योहार एक बार वसंत ऋतु के दौरान चैत्र नवरात्रि और शरद ऋतु के दौरान शरद नवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। शरद नवरात्रि अश्विन के महीने के दौरान मनाई जाती है जो आमतौर पर सितंबर या अक्टूबर में आती है। वहीं चैत्र नवरात्रि हिन्दू कैलेंडर के चैत्र महीने के दौरान मनाई जाती है। चैत्र नवरात्रि आमतोर पर मार्च या अप्रैल महीने में मनाई जाती है। नवरात्रि एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ होता है नौ रातें। इन नौ रातों और दस दिनों के दौरान शक्ति- देवी के नौ रूपों की पूजा की जाती है। दसवां दिन दशहरा के नाम से प्रसिद्ध है। नवरात्रि वर्ष में चार बार आता है। चैत्र, आषाढ़, अश्विन, पौष प्रतिपदा से नवमी तक मनाया जाता है। नवरात्रि के नौ रातों में तीन देवियों महालक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा के नौ स्वरुपों की पूजा होती है जिन्हें नवदुर्गा कहते हैं।

दुर्गा का मतलब जीवन के दुख को हटानेवाली होता है। नवरात्रि एक महत्वपूर्ण प्रमुख त्योहार है जिसे पूरे भारत में पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है। नवरात्रि का त्यौहार असत्य पर सत्य की जीत को दर्शाता है। हिन्दू मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि साल में दो बार मनाया जाता है। हिंदी महीनो के मुताबिक पहला नवरात्रि चैत्र महीने में मनाया जाता है और दूसरी बार अश्विन महीने में मनाया जाता है। नवरात्रि नौ दिनों तक निरंतर चलता है जिसमे देवी माँ के अलग अलग स्वरूपों की लोग भक्ति और निष्ठा के साथ पूजा करते है। भारत में नवरात्रि अलग अलग राज्यों में विभिन्न तरीको और विधियों के संग मनाई जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन्हीं नौ दिनों में मां दुर्गा धरती पर आती है। उनके आने की खुशी में इन दिनों को दुर्गा उत्सव के तौर पर देशभर में धूमधाम से मनाया जाता हैं।

नवरात्रि पर्व के नौ दिनों के दौरान आदिशक्ति जगदम्बा के नौ विभिन्न रूपों की आराधना की जाती है। ये नौ दिन वर्ष के सर्वाधिक पवित्र दिवस माने गए हैं। इन नो दिनों का भारतीय धर्म एवं दर्शन में ऐतिहासिक महत्व है और इन्हीं दिनों में बहुत सी दिव्य घटनाओं के घटने की जानकारी हिन्दू पौराणिक ग्रन्थों में मिलती है। माता के इन नौ रूपों को नवदुर्गा के नाम से भी जाना जाता है जो इस प्रकार हैं -शैलपुत्री, ब्रह्माचारिणी, चन्द्रघन्टा, कूष्माण्डा, स्कन्द माता, कात्यायिनी, कालरात्रि, महागौरी और सिध्दिदात्री।

नवरात्रि से हमें अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई के जीत की सीख मिलती हैं। यह हमें बताती है की इंसान अपने अंदर की मूलभूत अच्छाइयों से नकारात्मकता पर विजय प्राप्ती और स्वयं के अलौकिक स्वरूप से साक्षात्कार कैसे कर सकता है। भारतीय जन-जीवन में धर्म की महत्ता अपरम्पार है। यह भारत की गंगा-जमुना तहजीब का ही नतीजा है कि सब धर्मों को मानने वाले लोग अपने-अपने धर्म को मानते हुए इस देश में भाईचारे की भावना के साथ सदियों से एक साथ रहते चले आ रहे हैं। यही कारण है की पूरे विश्व में भारत की धर्म व संस्कृति सर्वोतम मानी गयी है। विभिन्न धर्मों के साथ जुड़े कई पर्व भी है जिसे भारत के कोने कोने में श्रध्दा, भक्ति और धूमधाम से मनाया जाता है। उन्ही में से एक है नवरात्रि।

नवरात्रि के पहले दिन बालिकाओं की पूजा की जाती है। दूसरे दिन युवती की पूजा की जाती है। तीसरे दिन जो महिला परिपक्वता के चरण में पहुंच गयी है, उसकि पूजा की जाती है। नवरात्रि के चौथे, पांचवें और छठे दिन लक्ष्मी- समृद्धि और शांति की देवी की पूजा करने के लिए समर्पित है। आठवे दिन पर एक यज्ञ किया जाता है। नौवां दिन नवरात्रि समारोह का अंतिम दिन है। यह महानवमी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन उन नौ जवान लड़कियों की पूजा होती है जो अभी तक यौवन की अवस्था तक नहीं पहुंची है। इन नौ लड़कियों को देवी दुर्गा के नौ रूपों का प्रतीक माना जाता है। लड़कियों का सम्मान तथा स्वागत करने के लिए उनके पैर धोए जाते हैं। पूजा के अंत में लड़कियों को उपहार के रूप में नए कपड़े, वस्तुयें, फल प्रदान किए जाते हैं।

शक्ति की उपासना का पर्व शारदीय नवरात्र प्रतिपदा से नवमी तक निश्चित नौ तिथि, नौ नक्षत्र, नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ सनातन काल से मनाया जा रहा है। आदिशक्ति के हर रूप की नवरात्र के नौ दिनों में क्रमशरू अलग-अलग पूजा की जाती है। मां दुर्गा की नौवीं शक्ति का नाम सिद्धिदात्री है। ये सभी प्रकार की सिद्धियां देने वाली हैं। इनका वाहन सिंह है और कमल पुष्प पर ही आसीन होती हैं। नवरात्रि के नौवें दिन इनकी उपासना की जाती है।

इस पर्व से जुड़ी एक कथा अनुसार देवी दुर्गा ने एक भैंस रूपी असुर अर्थात महिषासुर का वध किया था। पौराणिक कथाओं के अनुसार महिषासुर के एकाग्र ध्यान से बाध्य होकर देवताओं ने उसे अजय होने का वरदान दे दिया। उसको वरदान देने के बाद देवताओं को चिंता हुई कि वह अब अपनी शक्ति का गलत प्रयोग करेगा। महिषासुर ने अपने साम्राज्य का विस्तार स्वर्ग के द्वार तक कर दिया और उसके इस कृत्य को देख देवता विस्मय की स्थिति में आ गए। महिषासुर ने सूर्य, इन्द्र, अग्नि, वायु, चन्द्रमा, यम, वरुण और अन्य देवताओं के सभी अधिकार छीन लिए और स्वयं स्वर्गलोक का मालिक बन बैठा। देवताओं को महिषासुर के प्रकोप से पृथ्वी पर विचरण करना पड़ रहा था तब महिषासुर के इस दुस्साहस से क्रोधित होकर देवताओं ने देवी दुर्गा की रचना की।

ऐसा माना जाता है कि देवी दुर्गा के निर्माण में सारे देवताओं का एक समान बल लगाया गया था।

महिषासुर का नाश करने के लिए सभी देवताओं ने अपने अपने अस्त्र देवी दुर्गा को दिए थे और कहा जाता है कि इन देवताओं के सम्मिलित प्रयास से देवी दुर्गा और बलवान हो गईं थी। इन नौ दिन देवी-महिषासुर संग्राम हुआ और अन्ततरू महिषासुर-वध कर महिषासुर मर्दिनी कहलायीं। नवदुर्गा और दस महाविद्याओं में काली ही प्रथम प्रमुख हैं। भगवान शिव की शक्तियों में उग्र और सौम्य, दो रूपों में अनेक रूप धारण करने वाली दशमहाविद्या अनंत सिद्धियां प्रदान करने में समर्थ हैं। दसवें स्थान पर कमला वैष्णवी शक्ति हैं, जो प्राकृतिक संपत्तियों की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी हैं। देवता, मानव, दानव सभी इनकी कृपा के बिना पंगु हैं, इसलिए आगम-निगम दोनों में इनकी उपासना समान रूप से वर्णित है। सभी देवता, राक्षस, मनुष्य, गंधर्व इनकी कृपा-प्रसाद के लिए लालायित रहते हैं।

वसन्त की शुरुआत और शरद ऋतु की शुरुआत, जलवायु और सूरज के प्रभावों का महत्वपूर्ण संगम माना जाता है। इन दो समय मां दुर्गा की पूजा के लिए पवित्र अवसर माने जाते है। त्योहार की तिथियां चन्द्र कैलेंडर के अनुसार निर्धारित होती हैं। यह पूजा वैदिक युग से पहले प्रागैतिहासिक काल से है। नवरात्रि के पहले तीन दिन देवी दुर्गा की पूजा करने के लिए समर्पित किए गए हैं। यह पूजा उनकी ऊर्जा और शक्ति की की जाती है। प्रत्येक दिन दुर्गा के एक अलग रूप को समर्पित है।

नवरात्रि के दौरान उपवास करने से शरीर से विषाक्त पदार्थ निकल जाते हैं, जिससे शरीर स्वस्थ और निरोगी रहता है। नवरात्रि के दौरान ध्यान, योग और भक्ति करने से मन को शांति मिलती है, जिससे तनाव और चिंता कम होती है। नवरात्रि व्रत का मूल उद्देश्य है इंद्रियों का संयम और आध्यात्मिक शक्ति का संचय। वस्तुत: नवरात्र अंत:शुद्धि का महापर्व है। आज वातावरण में चारों तरफ विचारों का प्रदूषण है। ऐसी स्थिति में नवरात्र का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विस्फोट

गुजरात के बनासकांठा जिले में एक पटाखा गोदाम में हुए भीषण विस्फोट के बाद आग लगने और इमारत ढहने के बाद बचाव और राहत अभियान जारी है, जिसमें कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई और पाँच अन्य घायल हो गए।

आपके घर में चीटियां हैं? कैसे वो हर जगह पहुंच जाती हैं?

सिडनी। चींटियां प्रकृति की सबसे बड़ी सफलता की कहानियों में से एक हैं। दुनिया भर में इनकी अनुमानित 22,000 प्रजातियां हैं। विशेष रूप से उष्णकटिबंधीय ऑस्ट्रेलिया चींटियों की विविधता के लिए एक वैश्विक केंद्र है। कुछ शोधकर्ताओं का मानना है कि यह ग्रह पर सबसे समृद्ध चींटी जैव विविधता में से कुछ हो सकता है, अकेले उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में अनुमानित 5,000 प्रजातियां हैं।

लेकिन अगर चींटियां प्रकृति में इतनी आरामदायक स्थिति में रह सकती हैं, तो वे अक्सर हमारे घरों और यहां तक कि ऊंचें अपार्टमेंट में क्यों दिखाई देती हैं? और हम उन्हें बाहर रखने के लिए क्या कर सकते हैं? संभावना यह होती है कि आपके आसपास इस समय भी कोई चींटी जरूर होगी। संख्याबल के हिसाब से चींटियां ग्रह पर हावी हैं। हर समय अनुमानत: 20 क्राड्रिलियन चींटियां धरती पर जीवित हैं – यानी 20 के बाद 15 शून्य।

इस हिसाब से प्रत्येक मनुष्य के हिस्से में लगभग 25 लाख चींटियां हैं। तो 'मेरे घर में चींटियां क्यों हैं' का संक्षिप्त उत्तर बस यह है: बहुत सारी चींटियां हैं। हम ऐसे ग्रह पर रहते हैं जहां चींटियां हमसे लगभग अकल्पनीय अंतर से अधिक संख्या में हैं। इस बात से कि कभी-कभी कुछ हमारे घरों में घुस आती हैं, हमें हैरान नहीं होना चाहिए। चींटियां घर से काम करती हैं (यानी आपके घर से)। चींटियां अपनी सफलता का श्रेय अपने अत्यधिक सामाजिक स्वभाव को देती हैं।

कॉलोनी के भीतर, कुछ चींटियां (मादा रानी और नर ड्रोन) प्रजनन के लिए ज़िम्मेदार होते हैं, जबकि अन्य (श्रमिक) बच्चों की देखभाल, सफ़ाई या भोजन की तलाश में व्यस्त रहते हैं। श्रमिक चींटियां हमेशा मादा होती हैं। चींटियों की कॉलोनियों में नेता नहीं होते। वे सामूहिक व्यवहार और झुंड की बुद्धिमत्ता का एक उत्कृष्ट उदाहरण हैं, जहां अपेक्षाकृत सरल नियमों का पालन करने वाले व्यक्ति सामूहिक रूप से किसी भी व्यक्ति की तुलना में कहीं अधिक हासिल कर सकते हैं। जिस तरह आपके मस्तिष्क में एक न्यूरॉन्स संगीत नहीं बना सकता, फुटबॉल नहीं खेल सकता या लेख नहीं पढ़ सकता, वैसे ही मस्तिष्क एक साथ ये सभी उपलब्धियां और बहुत कुछ हासिल कर सकता है। सहयोगी चींटियों की कॉलोनियां आश्चर्यजनक रूप से परिष्कृत व्यवहार करने में सक्षम हैं जैसे: कुशल पगडंडी नेटवर्क बनाना

अपने शरीर से जीवित पुल बनाना, और कवक और एफिड्स (छोटे, रस चूसने वाले कीड़े जो पौधों पर भोजन करते हैं) की खेती करना। चींटियां कुछ सहकारिता आधारित कार्यों में मनुष्यों से भी बेहतर प्रदर्शन करती हैं। चींटियों की अत्यधिक सामाजिक प्रकृति उनकी सफलता का एक बड़ा हिस्सा है – और एक प्रमुख कारण है कि वे हमारे घरों में अपना रास्ता खोजने में इतनी अच्छी हैं।

चींटियों की प्रत्येक कॉलोनी में हज़ारों साहसी कर्मचारी होते हैं जिनमें से कई लगातार नए खाद्य स्रोतों की खोज में लगे रहते हैं। अगर एक भी चींटी आपके घर में कोई मूल्यवान संसाधन खोजती है, तो वह उस जानकारी को अपने झुंड के साथियों के साथ तुरंत साझा कर सकती है।

विभिन्न चींटी प्रजातियां संचार के विभिन्न तरीकों का उपयोग करती हैं। जब एक चींटी को भोजन का स्रोत मिल जाता है, तो वह अपने झुंड में वापस लौटती है और जाते समय फेरोमोन की छोटी-छोटी बूंदें छोड़ती है; यह निशान अन्य चींटियों को उनके झुंड से सीधे भोजन के स्रोत तक ले जाता है।इस अत्यधिक कुशल संचार प्रणाली का मतलब है कि एक चींटी अपने झुंडों के हजारों साथियों को किसी भी भोजन के लिए तेज़ी से आकर्षित कर सकती है।

भारत अपनी शुल्क दरों में बहुत बड़ी कटौती करेगा : ट्रंप

न्यूयॉर्क/ वाशिंगटन/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रमुख व्यापारिक साझेदार देशों पर दो अप्रैल से जवाबी सीमा शुल्क लगाए जाने के पहले कहा है कि भारत 'अपनी शुल्क दरों में बहुत बड़ी कटौती करेगा।' ट्रंप ने आधिकारिक आवास व्हाइट हाउस में स्थित कार्यालय 'ओवल ऑफिस' में सोमवार को संवाददाताओं के साथ बातचीत में भारत को लेकर यह बात कही।

ट्रंप कई बार भारत को बहुत ऊंचे शुल्क वाला देश बता चुके हैं। इसी क्रम में उन्होंने भारत के अलावा कुछ अन्य देशों से आयातित उत्पादों पर दो अप्रैल से जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की है। इस बारे में पूछे जाने पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ''मुझे लगता है कि बहुत से (देश) अपने शुल्क में कटौती करेंगे क्योंकि वे वर्षों से अमेरिका पर अनुचित तरीके से शुल्क लगाते आ रहे हैं। यदि आप यूरोपीय संघ को देखें, तो उसने कारों पर पहले ही अपने शुल्क को 2.5 प्रतिशत तक घटा दिया है।'' उन्होंने कहा, ''अभी कुछ समय पहले ही मैंने सुना कि भारत अपने शुल्क में बहुत बड़ी कटौती करने जा रहा है। मैंने कहा, किसी ने ऐसा बहुत पहले क्यों नहीं किया। बहुत से देश अपने शुल्क में कटौती करने जा रहे हैं।''

ट्रंप की जवाबी शुल्क नीति 'जैसे को तैसा' सिद्धांत पर आधारित है। इसका मतलब है कि अमेरिका उन देशों से आयातित वस्तुओं पर वही शुल्क लगाएगा जो ये देश अमेरिकी उत्पादों पर लगाते हैं। इसका भारत के अलावा चीन, यूरोपीय संघ, कनाडा एवं मेक्सिको पर विशेष असर पड़ने की आशंका है।

ट्रंप की ताजा टिप्पणियों से कुछ घंटे पहले ही व्हाइट हाउस ने कहा कि भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाता है। उसने कहा कि अन्य देशों द्वारा लगाए गए उच्च शुल्क ने अमेरिकी उत्पादों का उन देशों में आयात 'लगभग असंभव' बना दिया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने सोमवार को कहा, ''दुर्भाग्य से, ये देश बहुत लंबे समय से हमारे देश को लूट रहे हैं। मुझे लगता है कि अमेरिकी श्रमिकों को लेकर अपनी उपेक्षा को उन्होंने बिल्कुल साफ कर दिया है।''

अपने शो में शालीनता बनाए रखूंगा : रणवीर इलाहाबादिया ने न्यायालय को भरोसा दिलाया

नई दिल्ली/भाषा। यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया ने उच्चतम न्यायालय में मंगलवार को लिखित आश्वासन दिया कि वह अपने शो में शालीनता बनाए रखेंगे। वरिष्ठ अधिवक्ता अभिनव चंद्रचूड़ ने न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ को बताया कि उनके मुवक्किल ने लिखित आश्वासन दाखिल किया है और वह मामले की जांच में शामिल हो गए हैं। चंद्रचूड़ ने शीर्ष अदालत से इलाहाबादिया पर लगाई गई पासपोर्ट जमा करने की शर्त में संशोधन करने का अनुरोध किया। उन्होंने दलील दी कि यह शर्त उनकी आजीविका को प्रभावित करती है। चंद्रचूड़ ने कहा कि इलाहाबादिया को विभिन्न लोगों के साक्षात्कार के लिए विदेश यात्रा करनी पड़ती है, जिसके लिए कई दौर की बैठकें करने की आवश्यकता होती है। पीठ ने कहा कि अगर इलाहाबादिया विदेश चला गया, तो इससे जांच प्रभावित होगी।

पीठ ने महाराष्ट्र और असम की सरकारों का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से उस समयसीमा के बारे में पूछा, जिसमें जांच पूरी हो जाएगी।

मेहता ने कहा कि हालांकि, उन्होंने इस बारे में किसी निर्देश का अनुरोध नहीं किया है, लेकिन जांच दो हफ्ते में पूरी होने की संभावना है। इसके बाद पीठ ने कहा कि वह पासपोर्ट वापस करने के इलाहाबादिया के अनुरोध पर दो हफ्ते बाद विचार करेगी।

शीर्ष अदालत ने इलाहाबादिया को तीन मार्च को अपना पॉडकास्ट 'द रणवीर शो' फिर से शुरू करने की अनुमति दे दी थी।

सहज किरदार और हर विधा में करना चाहता हूं काम : राघव जुयाल

मुंबई/एजेन्सी

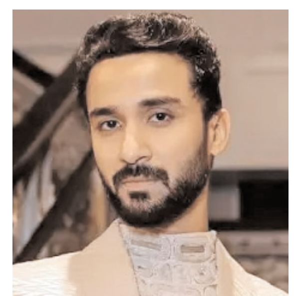

अभिनेता राघव जुयाल ने अपनी आकांक्षाओं के बारे में बात की और कहा कि वह हर विधा में काम करना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि वह मजेदार और सहज किरदार निभाना चाहते हैं। राघव ने कहा, मैं हर विधा में काम करना चाहता हूं और मजेदार, सहज किरदार निभाना चाहता हूं, जहां मैं बस आराम से रह सकूं और अच्छा समय बिता सकूं, लेकिन साथ ही शानदार और चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं भी निभाना चाहता हूं, जो मुझे प्रेरित करती हैं। उन्होंने कहा, मैं अभिनय करूंगा, मैं डांस करूंगा, मैं होस्ट करूंगा और मैं इस इंडस्ट्री में पेश की जाने वाली हर चीज करूंगा। मैं कुछ भी मिस नहीं करना चाहता, मैं सब कुछ करना चाहता हूं। राघव हाल ही में एक्शन फिल्म 'किल' में नजर आए थे। उन्होंने कहा कि आलोचना एक व्यक्ति को अपने काम को बेहतर बनाने में मदद करती है। आलोचकों ने उनके जीवन को आकार दिया है। उन्होंने बताया, मेरी जिंदगी आलोचकों द्वारा बनाई गई है, मेरे करियर में बदलाव उनके द्वारा प्राप्त मान्यता के कारण हुआ, खासकर 'किल' के साथ। यह एक अभिनेता के लिए काम करता है क्योंकि इससे अधिक अवसर भी मिलते हैं। अपनी छवि को किसी ऐसी चीज से बदलना अविश्वसनीय रूप से कठिन है जिसके लिए आप प्रसिद्ध हैं। राघव को स्लो स्पीड की शैली में उनके डांस और भारत में स्लो मोशन वॉक के लिए 'स्लो मोशन किंग' के रूप में जाना जाता है। वे डांस रियलिटी शो 'डांस इंडिया डांस 3' में एक प्रतियोगी और फाइनलिस्ट होने और 'डांस इंडिया डांस लिटिल मास्टर्स 2' जैसे शोज में उनकी टीम की प्रस्तुति से लोकप्रिय हुए थे। उन्होंने 2014 में चारुदत्त आचार्य के निर्देशन में बनी कॉमेडी ड्रामा फिल्म 'सोनाली केबल' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी।

लोगों को देखना और सीखना अभिनय को आसान बनाता है : ईशा पाठक

मुंबई/एजेन्सी

किसी भी किरदार को जीवंत बनाने के लिए सिर्फ डायलॉग्स याद रखना ही काफी नहीं होता, बल्कि उस दुनिया को समझना भी जरूरी होता है, जिसमें वह किरदार रहता है। खासकर जब कोई कलाकार किसी संस्कृति से जुड़ा किरदार निभा रहा हो, तो उसे गहराई से समझने के लिए बारीकी से लोगों का हावभाव समझना बेहद जरूरी हो जाता है। 'रिश्तों से बंधी गौरी' में गौरी की भूमिका निभा रहीं ईशा पाठक का मानना है कि अभिनय में वास्तविकता लाने के लिए लोगों को देखना और समझना सबसे उपयोगी कला है। ईशा पाठक बताती हैं कि लोगों का अवलोकन करने से कलाकारों को अपने अभिनय में गहराई लाने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा, जब हम लोगों को करीब से देखते हैं, तो हमें उनकी बोली, हाव-भाव, आम बोलचाल के शब्द और भावनाएं व्यक्त करने का तरीका समझ में आता है। कई बार हमारी शूटिंग असली लोकेशन पर होती है, जहां हमें स्थानीय लोगों को देखने और समझने का मौका मिलता है। यह हमें अपने किरदार को और ज्यादा वास्तविक तरीके से निभाने में मदद करता है।

ईशा ने आगे बताया, मेरे लिए यह प्रक्रिया और भी आसान रही क्योंकि मैं मध्य प्रदेश से हूं। बचपन से ही मैंने वहां की भाषा, परंपराओं और जीवनशैली को नजदीक से देखा और समझा है। इसलिए जब मुझे किसी ऐसे किरदार को निभाने का मौका मिलता है, जो इस क्षेत्र से जुड़ा है, तो वह मेरे लिए स्वाभाविक रूप से आसान हो जाता है। मुझे पता होता है कि इस किरदार को कैसे पेश करना है, कैसे बोलना है और कैसे बर्ताव करना है। इसके अलावा, मैंने दो साल तक इंदौर में भी बिताए हैं, जिससे वहां की स्थानीय बोली और शब्दावली को और अच्छे से समझने का मौका मिला। वहां की संस्कृति और भाषा के बीच रहने से संवाद की स्वाभाविकता अपने आप ही आ जाती है, जिससे मेरा अभिनय अधिक सहज और वास्तविक लगता है।

'रिश्तों से बंधी गौरी' एक प्रेरणादायक कहानी है, जो गौरी नाम की बहादुर और विनम्र लड़की के संघर्ष और साहस को दिखाती है। अनचाहे विवाह में बंधकर बुंदेला परिवार की बहू बनने वाली गौरी, अपनी सूझबूझ और आत्मविश्वास से अपनी किस्मत खुद लिखने का फैसला करती है। ईशा पाठक, सावी ठाकुर और स्वाति शाह द्वारा अभिनीत।

एक कमेंट से आया था 'बॉम्बे ड्रीम्स' को बनाने का ख्याल, शेखर कपूर ने सुनाया किस्सा

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म निर्माता-निर्देशक और अभिनेता शेखर कपूर ने सोशल मीडिया पर एक पुरानी तस्वीर शेयर की और अपनी साल 2004 में रिलीज हुई फिल्म 'बॉम्बे ड्रीम्स' का जिक्र किया। कपूर ने बताया कि उनके मन में फिल्म निर्माण का ख्याल कैसे आया। इंस्टाग्राम पर संगीतकार और कंपोजर एआर रहमान और अमेरिकी संगीतकार एंड्रयू लॉयड वेबर के साथ एक तस्वीर शेयर करते हुए उन्होंने फिल्म निर्माण से जुड़े एक किस्से को भी सुनाया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, जिंदगी एक मजेदार सफर रही है। लेकिन रोमांच तभी आता है जब आप खुद को जिंदगी के मजे लेने के लिए तैयार करते हैं। और ऐसा करने के लिए, आपको सबसे बड़ी मानवीय कमजोरी से लड़ना होगा जैसे निश्चितता की लत। नियंत्रण की लत। उन्होंने आगे बताया, 'बॉम्बे ड्रीम्स' निर्माण का ख्याल एंड्रयू लॉयड वेबर के एक संयोगवश कही गई टिप्पणी से हुआ था। बॉम्बे ड्रीम्स, एंड्रयू लॉयड वेबर को किसी ने यूं ही एक बात कही, और उसी से बनी।

बंबई ड्रीम्स की शुरुआत एंड्रयू लॉयड वेबर को दिए गए एक संयोगवश टिप्पणी से हुई। यह तस्वीर मुंबई के ताज होटल में आयोजित एक पार्टी में प्रोजेक्ट की घोषणा के समय ली गई थी, जहां एआर रहमान और एंड्रयू लॉयड वेबर ने एक ही पियानो पर साथ में बजाया और अद्भुत संगीत तैयार किया था। कपूर ने लिखा, एक संयोगवश कही गई टिप्पणी से लंदन में वेस्ट एंड और न्यूयॉर्क में ब्रॉडवे पर पहले 'बॉलीवुड' संगीत का नेतृत्व किया। 'बॉम्बे ड्रीम्स' के संगीत को एआर रहमान ने तैयार किया था, बोल डॉन ब्लैक ने लिखे थे। मीरा स्याल और थॉमस मीहान की किताब 'बॉम्बे ड्रीम्स' पर बनी फिल्म का निर्माण एंड्रयू लॉयड वेबर ने किया था। लंदन का प्रोडक्शन 2002 में शुरू हुआ और दो साल तक चला। बाद में 2004 में ब्रॉडवे पर इसका निर्माण किया गया।

बॉम्बे ड्रीम्स की कहानी पर नजर डालें तो यह आकाश नाम के एक लड़के के इर्द-गिर्द घूमती है, जो बॉम्बे की झुग्गियों में रहता है। आकाश का ख्वाब रहता है कि वह बॉलीवुड का बड़ा स्टार बने। किस्मत तब पलटती है जब एक अमीर वकील और उसकी मंगेतर आकाश की झुग्गी को ढहाने से रोकने के लिए आते हैं। आकाश वकील की मंगेतर प्रिया के प्यार में पड़ जाता है, जो एक प्रसिद्ध बॉलीवुड निर्देशक की बेटी होती है। कहानी बॉम्बे से मुंबई नाम बदलने और इससे पैदा होने वाले पहचान के मुद्दों को भी दर्शाती है।

मैं सफलता या असफलता को ज्यादा महत्व नहीं देती : जेनेलिया देशमुख

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई। सफलता और असफलता के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा, मैं सफलता या असफलता को ज्यादा महत्व नहीं देती। यह हमारे जीवन का हिस्सा है। मुझे लगता है कि हम अपनी सफलता को बहुत बढ़ा-चढ़ाकर बताते हैं और असफलता पर बहुत जोर देते हैं। जबकि आपके दैनिक जीवन का प्रभाव और इरादा महत्वपूर्ण है। एक ऐसी अभिनेत्री होने के नाते, जिसने छह भाषाओं में काम किया है, एक ऐसी अभिनेत्री जिसने बच्चों के जन्म के कारण ब्रेक लिया, मुझे याद है कि लोग मुझसे कहते थे, 'ओह, तुम 10 साल बाद फिल्मों में वापस आना चाहती हो, यह काम नहीं करेगा,' लेकिन मेरी वापसी वाली फिल्म एक कल्ट बन गई। हमें लोगों की बात नहीं सुननी चाहिए। जेनेलिया ने मातृत्व और स्टारडम के बीच के अंतरसंबंध के बारे में भी खुलकर बात की, इस बात पर जोर देते हुए कि कैसे उन्होंने अपने एक दशक के ब्रेक के दौरान अपने बच्चों को प्राथमिकता दी। उन दस सालों के दौरान, मैं खुद पर, अपने बच्चों पर ध्यान केंद्रित कर रही थी, और मुझे याद है कि रितेश ने मुझसे कहा था कि हमें अपने बच्चों को सक्षम बनाना होगा। मैं एक मांसाहारी हूँ और मुझे आसानी से प्रोटीन लेने की आदत है, इसलिए मुझे इससे जूझना पड़ा। यहीं से इमेजिन का जन्म हुआ। यह हर उस फ्लेक्सिटेरियन के लिए है, जो हफ़्ते में पाँच दिन मांस खाता है, लेकिन हफ़्ते में दो बार अन्य विकल्प चुनता है। यहाँ तक कि जब शाकाहारी खाने की बात आती है, तो प्रोटीन सेवन की बात आती है तो हमारे पास चुनने के लिए बहुत कम विकल्प होते हैं। इसने मुझे और रितेश को एक स्थाई विकल्प बनाने के लिए प्रेरित किया। पैनल में मसाबा गुप्ता, मेघना घई पुरी, अनन्या बिड़ला, अश्विनी अय्यर तिवारी और अन्य जैसे उल्लेखनीय नाम शामिल थे, जिन्होंने महत्वाकांक्षा और कल्याण के बीच नाजुक संतुलन का पता लगाया। जेनेलिया की यात्रा द्रढ़ता, अपनी देखभाल और सामाजिक अपेक्षाओं के बावजूद अपने जुनून के प्रति सच्चे रहने का प्रमाण है।

सलमान खान के साथ फिर से काम करने के लिये उत्साहित हैं संजय दत्त

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के माचो हीरो संजय दत्त दबंग स्टार सलमान खान के साथ फिर से काम करने के लिये उत्साहित हैं। संजय दत्त हाल हीं में अपनी आने वाली हॉरर कॉमेडी फिल्म द भूतनी के ट्रेलर लॉन्च में शामिल हुए। इस इवेंट में, उनसे सलमान खान की फिल्म सिकंदर के ट्रेलर पर रिएक्शन बारे में पूछा गया। संजय ने इसे 'सुपरहिट' ट्रेलर बताया और सलमान के साथ अपने बांड के बारे में खुलकर बात की। संजय दत्त ने कहा, सिकंदर का ट्रेलर सुपरहिट है। सलमान मेरा भाई है, मेरा छोटा भाई है, और मैं हमेशा उसकी सफलता के लिए प्रार्थना करता हूं। फिल्म हिट होने जा रही है। संजय दत्त ने बताया कि वह सलमान खान के साथ फिर से काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा हम दोनों फिल्म साजन और चल मेरे भाई का हिस्सा रहे हैं। अब, आप हमें टशन में साथ देखेंगे। यह एक एक्शन से भरपूर फिल्म है। मैं 25 साल बाद अपने भाई के साथ काम करने के लिए उत्साहित और खुश हूं। संजय दत्त और सलमान खान ने अपनी ऑन-स्क्रीन दोस्ती के साथ-साथ ऑफ-स्क्रीन दोस्ती के लिए जाने जाते हैं। फैंस एक लंबे समय से हिंदी सिनेमा के दो बड़े सितारों संजय दत्त और सलमान खान को एक साथ बिग स्क्रीन पर देखने की आस लगाए बैठे थे। अब उनका ये सपना पूरा होने जा रहा है। सलमान खान और संजय दत्त एक साथ फिर से बिग स्क्रीन पर एक ही फिल्म में धमाल मचाने की तैयारी कर रहे हैं।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जाति, भाषा, प्रांत और संप्रदायों का भेदभाव इतना जहरीला होता है कि वह न्याय, नीति, मानवता और कर्तव्य का बोध कभी नहीं होने देता। इनके बलबूते पर अयोग्य भी सत्ता की योग्यता प्राप्त कर लेते हैं। नीति शास्त्र कहता है कि अयोग्य के पास आई हुई सत्ता, सामर्थ्य और शक्ति सदैव लोगों के शोषण तथा उत्पीड़न का ही काम करती है। कमोबेश हम अपने देश के अनेक प्रांतों में और विश्व के अनेक देशों में यही स्थिति देख रहे हैं। यह कलयुग की करुण दर्दनाक कथा है।

मनीष रांका जैन कान्फ्रेन्स के युवा शाखा तमिल के अध्यक्ष मनोनीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अखिल भारतीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कान्फ्रेन्स के राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष विपुल जैन की सलाह पर मनीष रांका को जैन कान्फ्रेंस के युवा शाखा तमिल का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। यहां 31 मार्च को आयोजित एक कार्यक्रम में मनीष रांका का सम्मान किया गया। जोन 1 के संयोजक सुरेश लुणावत ने युवाओं को भविष्य बताया और समय पर आगे आने वाला ही भविष्य में समाज का मार्गदर्शन करेगा। इस अवसर पर अशोक लोढ़ा के अलावा जैन कॉन्फ्रेंस राष्ट्रीय संघ के सदस्य देवीचंद बरलोटा, गौतमचंद गुगलिया, देवराज लुनावत, किशनलाल लोढ़ा, गौतम चंद लोढ़ा, विमला खाबिया, सज्जनराज देसरला, कृपापात्र अजित पटवा, महींद्र भंडारा, राजेश बोहरा, प्रांतीय महिला अध्यक्ष संगीता बंटिया पुंगलिया, मधु छल्लानी आदि ने उपस्थित समर्थक सकारात्मक समाज के हितों की बात पर सार्थक चर्चा की, और बातचीत मिलजुल कार्य करने पर सफल ही सर्वांगीण विकास की बात होगी। नव नियुक्त युवा अध्यक्ष मनीष रांका ने सभी से पूर्ण सहयोग की मांग करते हुए जल्द ही समग्र क्षेत्र का विस्तार कर युवाओं को जोड़ने की बात कही। पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष महावीर चंद्र रांका, गौतम चंद्र कटारिया, वर्तमान अध्यक्ष धर्मीचंद शाशदा ने कार्यक्रम में विशेष सहयोग के लिए उपस्थित रहे।

वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ का स्नेह मिलन सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। तमिलनाडु यहां श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ मदुरै द्वारा आयोजित समारोह की शुरुआत श्रमण भगवान महावीर स्वामी एवं गुरु भगवंतों की गूंजती जयघोष के साथ हुई। इस अवसर पर संघ के मंत्री शांतिलाल गुलेच्छा ने समारोह में उपस्थित समस्त अतिथियों एवं परिवारों का आत्मीय स्वागत किया। आयोजन में संघ संरक्षक तिलोकचंद हरण, नेमीचंद बाफना, अध्यक्ष विजयराज श्रीश्रीमाल, मंत्री शांतिलाल गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष पारसमल कंकु चोपड़ा एवं संगठन व प्रचार प्रसार मंत्री दिनेश सालेचा का तिलक लगाकर, माला पहनाकर एवं अभिनंदन पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। लीला देवी भवन में आयोजित इस भव्य आयोजन में मदुरै श्वेताम्बर संघ, तेरापंथ सभा एवं सिवांची ओसवाल जैन संघ सहित विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थाओं के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समारोह में सहभागिता निभाने वाले सभी व्यक्तियों के अथक प्रयासों से यह आयोजन अत्यंत प्रभावशाली एवं सफलता के नए आयाम स्थापित करने वाला सिद्ध हुआ।

अग्रसेन कॉलेज का वार्षिकोत्सव सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां माधवरम स्थिति जयगोविंद हरिगोपाल अग्रवाल अग्रसेन कॉलेज में 29 मार्च को 24वें वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मद्रास विश्वविद्यालय के संरक्षित भाषा केंद्र के प्रभारी विभागाध्यक्ष व कुलपति संयोजक समिति के सदस्य प्रोफेसर डॉ. एस आर्मस्ट्रांग थे। स्वागत भाषण देते हुए कॉलेज प्रबंधन समिति के सचिव हरीश कुमार सांघी ने विद्यार्थियों को इस आयोजन का नायक बताया। उन्होंने कहा कि 'विद्यार्थियों के कल्याण में ही कॉलेज की प्रगति निहित है। विद्यार्थियों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध अग्रसेन कॉलेज अपने विद्यार्थियों के लिए कई तरह की कल्याणकारी योजनाएं चलाता है।'

मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि 'अग्रसेन कॉलेज अपने डेटा साइंस और क्रिमिनोलॉजी जैसे अपने महत्वपूर्ण और विशेष पाठ्यक्रमों के लिए जाना जाता है।

इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम व नासा वैज्ञानिक भारतीय मूल की अमेरिकी नासा वैज्ञानिक सुनीता विलियम्स और उनकी पुस्तकों से प्रेरणा लेने के लिए कहा। इससे पूर्व महाविद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष आदित्य अग्रवाल, कोषाध्यक्ष बालगोविंद गुप्ता समेत अन्य पदाधिकारियों ने शाल और स्मृति चिन्ह देकर मुख्य अतिथि का स्वागत किया। इस दौरान प्रभारी प्रधानाचार्य डॉ. वी. गोपी ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और डीन डॉ. टी.एस. उमा महेश्वरी ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया। कार्यक्रम के दौरान शैक्षणिक सत्र के दौरान अच्छा प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम का संचालन अंग्रेजी विभाग की सहायक प्रोफेसर के. जेरी अल्का और धन्यवाद ज्ञापन रिसर्च हेड डॉ. पीजी लता महेश्वरी ने किया।

नारी सशक्तिकरण विषय पर अलसूर जैन भवन में हुई गोष्ठी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में नवकार बहु मंडल ने जैन भवन में नारी सशक्तिकरण विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया। साधुमार्गी समता संघ की ओर से आमंत्रित चंदा गुलगुलिया एवं दीक्षा जैन ने नारी शक्ति की प्रतिभा, जिम्मेदारी, कर्तव्य और भविष्य की जिम्मेदारियों पर प्रकाश डाला और आगामी आई जैन–माय जैन' शिविर में भाग लेने का निवेदन किया। इस अवसर पर श्रावक संघ अलसूर के उपाध्यक्ष गौतमचंद छाजेड़ एवं मंत्री अभयकुमार बांठिया भी उपस्थित थे।

बांठिया ने कहा कि नई पीढ़ी को संस्कार देने की जिम्मेदारी माता की होती हैं और आज की शिक्षित पीढ़ी बच्चों में शौर्य गुण भी भर सकती हैं। राजेश्वरी तातेड़ ने सभा का संचालन किया।

ज्ञानचंद कोठारी को महावीर इंटरनेशनल का अंतर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। महावीर इंटरनेशनल एपेक्स, जयपुर द्वारा चेन्नई मेट्रो के ज्ञानचंद कोठारी को अंतर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के गौरवशाली पद पर अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जैन द्वारा चयनित किया गया। ज्ञानचंद कोठारी अनेक धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं से सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं।

पेंशन वितरित

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू ने 'पेडाला सेवालो' के दौरान लाभार्थियों को एनटीआर भरोसा पेंशन वितरित की।

'सोए हुए को जगाना सरल, किंतु जागे हुए को जगाना मुश्किल होता है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में स्थानकवासी संतश्री आलेखमुनिजी एवं मूर्तिपूजक संघ के संतश्री आर्यशेखरविजयजी का आध्यात्मिक मिलन हुआ। अपने प्रवचन में आर्यशेखरविजयजी ने कहा कि सोए हुए को जगाना सरल है किंतु जागे हुए को जगाना मुश्किल होता है। हमारे चारों ओर से हमारी संस्कृति पर विषैली हवा फैल रही है उसके बावजूद समाज अभी भी निष्क्रिय है। अब समय आ गया है कि हम अपने बच्चों में शौर्यता भरें और संगठन को मजबूत करें। मात्र धार्मिक क्रिया और जाप हमारी रक्षा नहीं कर सकते हैं। हमारी ताकत और वीरता पहचान बननी चाहिए। संघ समाज को छोटी छोटी बातों में नही उलझना चाहिए। धर्म स्थानों के निर्माण से ज्यादा हमें अपने भविष्य की सुरक्षा के बारे में सोचना चाहिए। हम बचेंगे तो ही धर्मस्थान बचेंगे। प्रवचन के प्रारंभ में आलेखमुनिजी ने कहा कि भगवान की वाणी पर श्रद्धा जरूरी है। हम प्रभु की वाणी पर अपनी बुद्धि का तर्क नही लगाएं। महावीर के सिद्धांत शाश्वत हैं और अपनी बुद्धि सीमित होती है। जिज्ञासा गलत नहीं है किंतु कुतर्क हमारी गति बिगाड़ सकते हैं। सभा का संचालन करते हुए संघ के मंत्री अभयकुमार बांठिया ने श्रद्धालुओं को नववर्ष की शुभकामनाएं दी। अध्यक्ष धनपतराज बोहरा ने स्वागत किया।

मनुष्य को करुणा एवं दया के भाव रखना चाहिए : संतश्री वरूणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हनुमंतनगर स्थित वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के तत्वावधान में गुरुदेवश्री पदमचंद्रजी एवं श्री अमरमुनिजी के शिष्य उप प्रवर्तकश्री पंकजमुनिजी व डॉ. वरुण मुनिजी के सान्निध्य में 11 घंटे का नवकार मंत्र जाप सपन्न हुआ जिसमें संघ के सदस्यों के अतिरिक्त अन्य श्रावक श्राविकाएं भी उपस्थित थे। इसके पूर्व रूपेशमुनिजी ने भजन प्रस्तुत किया। डॉ वरुणमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि मनुष्य को करुणा एवं दया का भाव रखना चाहिए। अहिंसा एवं दया जैन धर्म के आधार स्तंभ है। भगवान शांतिनाथजी दया के जीते जागते अवतार थे। दया के भाव से ही तीर्थकर जैसा महान पद मिलता है, जिनके चरणों में स्वर्ग के इन्द्र भी मस्तक झुकाते है। उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी के मंगलपाठ से नवकार मंत्र जाप की शुरुआत हुई। जाप में संघ के अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी, मंत्री सुरेश धोका, अशोक भीलवाड़िया, युवा अध्यक्ष शीतल रांका, मंत्री किशोर बाफना, संजय कचोलिया, श्रेणिक रूणवाल, महिला मंडल की अध्यक्ष मंजू बालिया, मंत्री संगीता धोका आदि उपस्थित थे।

रक्षा लेखा विभाग हम्पी में आईएफए का आयोजन करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रक्षा लेखा विभाग, रक्षा लेखा महानियंत्रक डॉ. मयंक शर्मा के नेतृत्व में 3 और 4 अप्रैल को हम्पी में दो दिवसीय एकीकृत वित्तीय सलाहकार सम्मेलन (आईएफए) का आयोजन करेगा। वित्तीय सलाहकार (रक्षा सेवाएँ) एसजी दस्तीदार सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में भाग लेंगे। समापन सत्र के मुख्य अतिथि रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह होंगे। 275 वर्षों से अधिक के इतिहास के साथ, रक्षा लेखा विभाग भारत सरकार के सबसे पुराने विभागों में से एक है। इसका कार्य देश की रक्षा सेवाओं को वित्तीय सलाह, भुगतान और पेंशन संवितरण, लेखा परीक्षा, लेखांकन और बजट निगरानी सहित वित्तीय सेवाएं प्रदान करना है।

यह सम्मेलन पीआईएफएएसएस/आईएफए के बीच नियमित कार्यात्मक बातचीत और परामर्श को बढ़ावा देने तथा कार्य के विभिन्न क्षेत्रों में समन्वय और सुसंगत दृष्टिकोण को सुविधाजनक बनाने के लिए एक प्रभावी तंत्र विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

समाज और धर्मसंघ के नायक व पदाधिकारी नीतिमान होने चाहिएँ : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बसवनगुड़ी स्थित जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट व संघ के तत्वावधान में मंगलवार को श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि नायक व पदाधिकारियों को समाज व धर्मसंघ अपने परिवार से भी अधिक प्यारे लगने चाहिएं। जब हम उनकी हानि को अपनी हानि समझेंगे तो कभी उनका अहित नहीं होने देंगे। हजारों वर्षों का जैन समाज और धर्मसंघ का गौरवशाली इतिहास बलिदानों के आधार पर निर्मित हुआ है। भगवान महावीर स्वामी की परंपरा के प्राचीन आचार्यों का स्पष्ट मत रहा है कि समाज व धर्म, धन के आधार पर नहीं, गुणों के आधार पर विकसित होने चाहिए। गुणवान धनवान हो सकते हैं, लेकिन गुणहीन पदाधिकारी नहीं बन सकते। जो साधु–साध्वी, मंदिर, उपाश्रय, आयंबिल शाला, पाठशाला और सिद्धांतों के प्रति समर्पित न हों, वे धर्मसंघ के लिए अयोग्य माने गए हैं। धर्म और समाज शास्त्रों की मति से चलते हैं, स्वमति से नहीं चल सकते। साधु–साध्वियों के लिए भी ऐसे अनेक नियम हैं।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि समाज और धर्मसंघ के नायक व पदाधिकारी नीतिमान होने चाहिए। तभी सामाजिक और धार्मिक व्यवस्थाओं का सुचारू संचालन हो सकता है। ज्ञान, संस्कार और योग्यता के अभाव में प्राप्त पद या अधिकार मनुष्य को भ्रष्टाचार, दुर्व्यवहार अथवा अनैतिकता के पथ पर ले जाते हैं। हकीकत में धर्मसंघ सत्ता और अधिकारों के लिए नहीं होता। सेवा भावना, सहयोग और उन्नति का स्पष्ट दृष्टिकोण रखकर ही व्यक्ति को सामाजिक–धार्मिक क्षेत्र में आगे आना चाहिए। प्राचीन जैनशास्त्रों में समाज व धर्मसंघ के संचालन के लिए छोटी–बड़ी सभी बातों का सुंदर मार्गदर्शन निरूपित है। गुरु चरणों में बैठकर श्रद्धा और समर्पण की भूमिका पर पदधिकारों को व्यवस्थित शिक्षा–दीक्षा लेनी चाहिए।

आज तो सत्ता की लालसा, मनमानी और आपसी मनमुटाव में समाज व धर्म का भारी नुकसान हो रहा है। अहं का टकराव और स्वार्थपरक मानसिकता भी समाज का बहुत अहित कर रही है। समुचित ज्ञान और योग्यताओं के अभाव में अनेक कुप्रथाएं समाज व धर्मक्षेत्र में प्रविष्ट हो गई हैं। इससे पूर्व नगरथपेट से बसवनगुड़ी पहुंचने पर जिनकुशलसूरी जैन संघ ने आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी, गणि पद्मविमलसागरजी, मुनि मलयप्रभसागरजी एवं सहवर्ती श्रमणों का भावपूर्ण स्वागत किया।

अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु की श्याम अखंड ज्योतिपाठ महिला मंडल की सदस्याओं ने मंगलवार को नवरात्रि के उपलक्ष्य में विजया बैंक कालोनी स्थित हनुमान मंदिर के सामने अन्नदान किया। मंडल की सदस्याओं ने जरूरतमंद लोगों को अपने हाथों से अन्नदान किया।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु का होयसलानगर गलेयारा बलगा द्वारा नागरभावी क्षेत्र में आयोजित लक्ष्मी उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत उपस्थित थे। मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की।आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

जेवाईएस के पदाधिकारियों से मिले रविन्द्रकला क्षेत्र मंडल के सदस्य

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय रविन्द्रकला क्षेत्र मंडल के पदाधिकारियों ने जैन युवा संगठन(जेवाईएस) के पदाधिकारियों से भेंट कर कर्नाटक सरकार के साथ मिलकर प्रभु महावीर स्वामी के 2624वें जन्म कल्याणक महोत्सव मनाने का प्रस्ताव दिया। रविन्द्रकला क्षेत्र के पदाधिकारी, कर्नाटक जैन भवन के सुरेन्द्र हेगड़े, जीतेन्द्र जैन आदि ने जेवाईएस के अध्यक्ष महावीर मुणोत, उपाध्यक्ष मुकेश सुराणा, मंत्री नीरज कटारिया, सहमंत्री सुश्रुत चेलावत आदि से सामूहिक महावीर जन्मकल्याणक मनाने के संबंध में विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

संगठन के अध्यक्ष महावीर मुणोत ने 10 अप्रैल को फ्रीडम पार्क में आयोजित होने वाले जन्मकल्याणक महोत्सव के बारे में विस्तार से जानकारी दी। संगठन के मंत्री नीरज कटारिया ने संगठन की तैयारियों से उपस्थित जनों को अवगत कराते हुए धन्यवाद दिया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.